▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 22 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 13-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 लोकतंत्र सेनानियों से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : शर्मा

6 मृत्यु नहीं, नवजीवन का संदेश है अंगदान

7 श्रेया घोषाल ने 'जन गण मन' को दी अपनी आवाज

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया से आयातित पेपरबोर्ड पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की मांग

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने सरकार से इंडोनेशिया से कुछ पेपरबोर्ड उत्पादों के आयात पर तत्काल डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का आग्रह किया है। संघ का दावा है कि सस्ते आयात के कारण घरेलू विनिर्माताओं को 242 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आईपीएमए ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच के बाद इंडोनेशिया से वर्जिन मल्टी-लेयर पेपरबोर्ड के आयात में डंपिंग की पुष्टि की है और सुधारात्मक शुल्क लगाने की सिफारिश की है। संघ ने कहा, कम कीमत वाले आयात के खिलाफ अंतरिम उपाय के तौर पर लगाया गया न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) 30 सितंबर, 2026 को समाप्त होने वाला है, जिस कारण इसकी जरूरत और बढ़ गई है।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कथित तौर पर तेज रफ्तार के कारण एक तिपहिया वाहन नहर में गिर गया, जिसके कारण महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पंजाब के मुजफ्फरगढ़ जिले के कोट अड्डू में मंगलवार को यह तिपहिया वाहन में गिर गया। उन्होंने बताया कि इसमें शादी समारोह में शामिल होने जा रहे 26 लोग सवार थे। यह स्थान लाहौर से लगभग 350 किलोमीटर दूर है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल-जुलाई में निर्यात 15 प्रतिशत बढ़ा : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान देश का निर्यात करीब 15 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने साथ ही भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में एक हजार अरब डॉलर के वस्तु एवं सेवा निर्यात का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 में निर्यात 863 अरब डॉलर रहा था। उन्होंने कहा, ''चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में निर्यात में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।'' जुलाई महीने के निर्यात और आयात के अंतिम आंकड़े 13 अगस्त को जारी किए जाएंगे। मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बारे में गोयल ने कहा कि पिछले चार साल में अंतिम रूप दिए गए नौ समझौतों ने घरेलू उद्योग के लिए बड़े अवसर खोले हैं।

13-07-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे	14-08-2026 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
77,966.35	24,435.95
(-187.90)	(-35.75)

सोना	चांदी
15,949 रु.	260,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

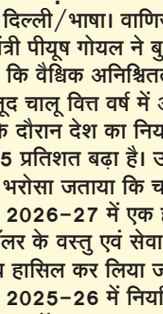

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भय का भूत

हवाओं तक में बेचैनी,
अजब ये दौर ऐसा है।
नहीं कुछ सूझता सबको,
तमस घनघोर ऐसा है।
सभी का दिल चुरा लेगा,
वो माहिर चोर ऐसा है।
वही है मुल्क का मालिक,
यहां फिर शोर ऐसा है।।

'रील युग' में रह रहे युवा 'शॉर्टकट' से दूर रहें : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की बुधवार को अपील करते हुए कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि ''पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया, बल्कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है।'' मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की, क्योंकि इनसे किसी खास दौर को उस व्यक्ति के जीवन के ज़रिए समझने का मौका मिलता है जिसने उसे खुद अनुभव किया हो। उन्होंने कहा, ''यह रील का ज़माना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अक्सर आपको अपनी ओर खींचते हैं और कुछ खास रास्तों पर ले जाते हैं। शॉर्टकट के इस दौर में, आइए रेलवे स्टेशनों पर अक्सर दिखने वाले उस संदेश को याद करें, शॉर्टकट आपकी ज़िंदगी छोटी कर सकता है। यह इसलिए लिखा होता है क्योंकि कुछ लोगों को रेल पुल का इस्तेमाल करने के बजाय पटरियों पर कूदने की आदत होती है। हालांकि, अगर जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए कोई शॉर्टकट अपनाना ही है, तो वह है किसी ऐसे व्यक्ति की आत्मकथा पढ़ना जिसे आप पसंद करते हैं।''

मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का प्रश्नपत्र लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद मोदी ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और 'रील पोस्ट' करें।

हाल के हफ्तों में मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद की आत्मकथा ''भारतीय लोकतंत्र की धरोहर'' बनेगी और नई पीढ़ी को इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

मोदी ने कहा, ''हमें भविष्य में और ऐसे कई युवाओं की जरूरत है जो कोविंद की तरह हों। ऐसे लोग जो हालात से हार न मानें, बल्कि हर चुनौती से पार पाने का पुख्ता इरादा रखें। वे आत्मनिर्भर भारत का रास्ता बनाएंगे और यह आत्मकथा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।'' उन्होंने कहा कि आत्मकथा का शीर्षक बिल्कुल सही है क्योंकि कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही व्यक्तिगत थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। मोदी ने याद किया कि बचपन में घर का सामान बचाने की कोशिश के दौरान लगी आग में कोविंद ने अपनी मां को खो दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुखद घटना कोविंद को तोड़ सकती थी लेकिन इसके बजाय इसने उन्हें और मजबूत बनाया। मोदी ने कहा कि कोविंद में अच्छे संस्कार डालने में उनके पिता की अहम भूमिका रही।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में कोविंद के साथ अपनी मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति उनसे ऐसी बातें करते थे जिनकी प्रोटोकॉल के तहत आम तौर पर अनुमति नहीं होती थी और उनके मना करने के बावजूद वे उन्हें खुद कार तक छोड़ने आते थे। कोविंद ने इस अवसर पर अपने बचपन की मुश्किलों और अपने आस-पास के माहौल से मिली सीख को याद किया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के एक गांव से आता हूं।

दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी भारत में पाए जाते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'विश्व हाथी दिवस' के मौके पर कहा कि दुनिया के 60 प्रतिशत से ज़्यादा जंगली एशियाई हाथी भारत में पाये जाते हैं और उनके लिए देश में 33 अभयारण्य हैं जो उनके दीर्घकालिक संरक्षण प्रयासों को मजबूत करते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्व हाथी दिवस पर, हम विशाल एवं शानदार हाथी का जश्न मनाते हैं जो भारत की पारिस्थितिक विरासत का एक अभिन्न अंग रहा है।''

उन्होंने लिखा, ''हमें उन सभी वन कर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों पर भी गर्व है जो ऐसी सभी कोशिशों का अहम हिस्सा हैं।'' हर साल 12 अगस्त को 'विश्व हाथी दिवस' मनाया जाता है। इस साल इस मौके पर, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने हाथियों और इंसानों के लिए एक साझा भविष्य सुरक्षित करने के भारत के संकल्प को दोहराया।

यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित 150 हाथी गलियारों (कॉरिडोर), आबादी की बेहतर निगरानी और दृढ़ उपायों के माध्यम से हाथियों के संरक्षण को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, '2जब हम हाथियों का भविष्य सुरक्षित करते हैं तो हम अपने जंगलों, जैव-विविधता और पारिस्थितिक विरासत को भी सुरक्षित करते हैं। आइए हम यह सुनिश्चित करें कि हाथी आने वाली पीढ़ियों तक भारत के जंगलों और इलाकों में आजादी से घूमते रहें।'' 'सिंक्रोनस ऑल इंडिया पॉपुलेशन एस्टीमेशन ऑफ़ एलिफेंट्स 2021-25' के अनुसार, भारत में 22,000 से ज़्यादा जंगली हाथी हैं।

अमरनाथ यात्रा : 'छड़ी मुबारक' को शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। अमरनाथ यात्रा की सदियों पुरानी परंपरा के तहत 'हरियाली अमावस्या' के अवसर पर बुधवार को 'छड़ी मुबारक' को पूजा-अर्चना के लिए शहर के डलगेट इलाके में स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। दशनामी अखाड़े की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, स्वामी अमरनाथ जी यात्रा 2026 के तहत महंत दीपेंद्र गिरि की अगुवाई में 'पवित्र छड़ी मुबारक' को 'हरियाली अमावस्या' (श्रावण अमावस्या) के अवसर पर सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार गोपादरी पहाड़ियों पर स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। बयान में कहा गया कि इस दौरान जम्मू कश्मीर और पूरे देश की शांति एवं समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना भी की गई।पत्रकारों से बातचीत में महंत दीपेंद्र गिरि ने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार पहाड़ी की चोटी पर स्थित इस ऐतिहासिक मंदिर का निर्माण मूल रूप से राजा संदीमन ने कराया था। उन्होंने कहा, यह मंदिर पहले ज्येष्ठेश्वर या ज्योतिश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता था। लेकिन आदि गुरु शंकराचार्य जी के यहां आने के बाद अब यह श्री शंकराचार्य मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार यानी 13 अगस्त को देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए छड़ी मुबारक' को यहां हरि पर्वत किले में स्थित शारिका भवानी' मंदिर ले जाया जाएगा। अमरनाथ यात्रा को मार्ग की मरम्मत के लिए तय समय से करीब तीन सप्ताह पहले नौ अगस्त को रोक दिया गया था। हालांकि, पवित्र गुफा के लिए 'छड़ी मुबारक' की पारंपरिक धार्मिक यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी और अमरनाथ यात्रा का औपचारिक समापन पूर्व निर्धारित तिथि 28 अगस्त को होगा।

मुंबई में भूस्खलन से सात लोगों की मौत, सात अन्य घायल

मुंबई/भाषा। मुंबई के घाटकोपर इलाके में बुधवार तड़के भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई और इतने ही अन्य घायल हो गए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की घटना तड़के तीन बजकर 48 मिनट पर चिराग नगर के अशोक नगर स्थित गौसिया चॉल में हुई।

उन्होंने बताया कि पहाड़ी का एक हिस्सा और मलबा दो से तीन मकानों पर गिर गया, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि घाटकोपर स्थित बीएमसी संचालित राजावाडी अस्पताल में सात लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग, पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), एंबुलेंस सेवा और बीएमसी के वार्ड कर्मचारियों के दल मौके पर तैनात हैं तथा खोज एवं बचाव अभियान जारी है। मुंबई की महापौर रितु तावड़े भी घटनास्थल पर पहुंचीं और उन्होंने वहां जारी खोज एवं बचाव अभियान का जायजा लिया।

तावड़े ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। महापौर ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को चार-चार लाख रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता और प्रत्येक घायल व्यक्ति के इलाज के लिए 50,000 रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बचाव कार्य में लगी एजेंसियों को अपने प्रयासों को तेज करने और बेहतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। प्रशासन स्थिति और बचाव अभियान पर लगातार नजर बनाए हुए है।

विपक्ष चर्चा के लिए तैयार हो, हर सवाल का जवाब दूंगा : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि विपक्षी दल छात्रों से जुड़े विषय पर चर्चा के लिए तैयार हो जाएं तो वह हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं ताकि देश की जनता के सामने सब 'दूध का दूध, पानी का पानी हो जाए' क्योंकि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। बीते 20 जुलाई को आरंभ हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में जारी गतिरोध के बीच शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखा और आरोप लगाया कि विपक्ष चर्चा होने ही नहीं देना चाहता। शाह ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से वह नियमित रूप से संसद आ रहे हैं और अपने कक्ष में बैठते हैं, लेकिन विपक्ष दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है।

'लापता, भाग गए, भगोड़े.. इस प्रकार की भाषा भारत के सार्वजनिक जीवन और संसदीय जीवन में अभी-अभी सुनाई पड़ी है। जब से संसद सत्र शुरू हुआ है, तब से लगातार मैं संसद में आता हूं, अपने कक्ष में बैठता हूं। चूंकि संसद भवन में विपक्ष दोनों सदनों में कार्यवाही चलने नहीं दे रहा है, तो कोई जाकर क्या करेगा?'' गृह मंत्री ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार नीट से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों के मुद्दे पर सभी प्रकार से चर्चा के लिए तैयार है, समय तय किया जाए और विपक्ष भी चर्चा के लिए तैयार हो जाए।

शाह का 'लेक्चर' सुनने में दिलचस्पी नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष को उनका ''लेक्चर'' सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है, बल्कि उन्हें सिर्फ यह बताना चाहिए कि दिल्ली में छात्रों पर ''गोली चलाने'' का आदेश किसने दिया था। उन्होंने कहा कि यदि शाह ने आदेश दिया था तो वह दोषी हैं और यदि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी तो 'अक्षम' हैं तथा इन दोनों ही परिस्थितियों में उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। ''पिछले दिनों कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और मैंने संवाददाता सम्मेलन किया तथा अन्य विपक्षी दलों ने भी स्पष्ट कर दिया है कि शाह की काल्पनिक बातें सुनने में हमें कोई दिलचस्पी नहीं है। हम उनका लेक्चर सुनने में दिलचस्पी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी दिलचस्पी सिर्फ एक साधारण सवाल में है। और जब मैं हम' कहता हूं, तो इसका मतलब इस देश की युवा पीढ़ी से है। सवाल यह है कि दिल्ली में छात्रों पर गोली किसने चलवाई? एक छात्र को किसने अंधा कर दिया? छात्रों पर लाठियां चलाने का आदेश किसने दिया?'' उनका कहना था कि यह तो स्पष्ट है कि आदेश को गृह मंत्रालय ने लागू किया था। गांधी ने कहा, ''क्या अमित शाह ने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था? अगर उन्होंने दिया था, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि इसके लिए वह दोषी हैं।

चर्चा से भागने वाला विपक्ष पहली बार देखा : किरेन रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने'' का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा पहली बार देखा गया कि सरकार खुद चर्चा कराने और सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के इस रवैये से वह एक मंत्री और सांसद के तौर पर बहुत निराश एवं दुखी हैं।

रीजीजू ने कहा कि अब तो जनता भी जानना चाहती है कि कांग्रेस चर्चा से क्यों भाग रही है। संसद के मानसून सत्र में एक दिन का समय बचे होने के बीच, उन्होंने उम्मीद जताई कि है और विपक्ष छात्रों के मामलों पर चर्चा करेगा तथा गृह मंत्री अमित शाह की बात सुनेगा। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद रीजीजू ने संसद परिसर स्थित अपने कक्ष में संवाददाताओं से कहा, मैं काफी निराश और दुखी हूं। अपने जीवन में पहली बार मैं ऐसी स्थिति देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा चाहती है, लेकिन विपक्ष उससे भाग रहा है।

उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में आम तौर पर विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार उसके सवालों के जवाब देती है। लेकिन मौजूदा स्थिति में सरकार खुद कह रही है कि वह चर्चा कराएगी और जवाब देगी, जबकि विपक्ष चर्चा के लिए तैयार नहीं है।

संसद ने केरल का नाम 'केरलम' करने संबंधी विधेयक को दी मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रावधान वाले एक विधेयक को बुधवार को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पर हुई चर्चा एवं गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार को पारित कर चुकी है।

इससे पहले विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री राय ने कहा कि केरल की 15वीं विधानसभा ने 14 जून 2024 को संकल्प पारित कर केंद्र सरकार से अपील की थी कि संविधान के अनुच्छेद 3 के अनुसार राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के लिए तत्काल कदम उठाया जाए। राय ने कहा, ''केरल सरकार ने कारण दिया कि मलयालम भाषा में राज्य का नाम केरलम है लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में इसे केरल दर्ज किया गया है।'' इससे पहले विधेयक पर हुई चर्चा में केरल के सदस्यों ने अपनी बात मलयालम में रखी तथा केरल की संस्कृति की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बताया। कई सदस्यों ने ध्यान दिलाया कि यह कदम राज्य के लोगों की इच्छा के अनुरूप उठाया जा रहा है। विपक्ष के कुछ सदस्यों ने विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सदन में अनुपस्थिति को लेकर प्रश्न उठाया।

सदन के नेता जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से स्पष्ट किया कि संविधान के अनुरूप गृह राज्य मंत्री इस विधेयक को सदन में चर्चा के लिए पेश कर सकते हैं और जवाब दे सकते हैं। चर्चा में भाजपा के तरुण चुघ, सुधांशु त्रिवेदी, लहर सिंह सरोया, कांग्रेस की जे बी माथेर हीशम, मनोनीत सदस्य सी सदानंद मास्टर, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक के तिरुचि शिवा, बीजद के सुभाशीष खुंटिया, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के गोल्ला बाबूराव, अन्नाद्रमुक सदस्य डॉ एम थंबीदुरै, शिवसेना की ज्योति नागराज वाघमारे, राकांपा के राजेंद्र हीरालाल जैन, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, आरएलएम के उपेन्द्र कुशवाहा, बीआरएस के रविचंद्र वद्दीराजू, माकपा के डॉ वी शिवादासान और ए ए रहीम, तेदेपा के विजय चिंताकायला, केसी(एम) सदस्य जोस के मणि, भाकपा सदस्य संदोष कुमार पी, आईयूएमएल के हारिस बीरन, यूपीपी(एल) के रवंगवरा नारजारी ने भी भाग लिया।

'कर्किडका वावु' के अवसर पर हजारों लोगों 'बलि तर्पण' के लिए उमड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवंनतपुरम/भाषा। केरल में हजारों लोग 'कर्किडका वावु' के अवसर पर अपने पूर्वजों को नमन करने और 'बलि तर्पण' अनुष्ठान करने के लिए बुधवार तड़के ही स्नान घाटों' पर पहुंचे और स्नान के उपरांत मंदिरों में पूजा अर्चना की। अनुष्ठान तिरुवनंतपुरम में तिरुवल्लम परशुराम मंदिर, कोल्लम में तिरुमुल्लावरम समुद्र तट और राज्य भर में वर्कला, शंखुमुघम, वेली, अरुविक्करा, अरुविप्पुरम, कादिनामकुलम, अलुवा, तिरुनावया में अन्य 'तर्पण' स्थलों में किए गए। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने नेत्तूर स्थित तिरुनेत्तूर महादेव मंदिर में अनुष्ठान किया। यहीं पर उनका पैतृक मकान भी है।

मुख्यमंत्री ने सरोवर में स्नान, मंदिर में दर्शन और अनुष्ठान का वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया और एक पोस्ट में लिखा, कर्किडका वावु के मौके पर तिरुनेत्तूर महादेव मंदिर में 'पितृ तर्पण' किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि बलि तर्पण' की सदियों 'पुरानी परंपरा' इस बात की याद दिलाती है कि समाज तभी मजबूत रहता है जब वह अपनी जड़ों को याद रखता है और अपने पूर्वजों का सम्मान करता है।

उन्होंने कहा, ''आज 'कर्किडका वावु' है – एक पवित्र दिन, जब दुनिया भर के मलयाली लोग कृतज्ञता और श्रद्धा के साथ अपने पूर्वजों को बलि–तर्पण' अर्पित करते हैं। यह सदियों पुरानी परंपरा हमें याद दिलाती है कि समाज तभी मजबूत बना रहता है जब वह अपनी जड़ों को याद रखे, अपने पूर्वजों का सम्मान करे और उनके द्वारा हमें सौंपी गई जीवन–मूल्यों की विरासत को आगे बढ़ाए।'' राज्य के विभिन्न हिस्सों से हजारों श्रद्धालुओं द्वारा तर्पण केंद्रों पर अनुष्ठान की तस्वीरें सामने आई।

वरकला जैसे समुद्र तटों पर तेज लहरों की वजह से श्रद्धालुओं को पूजा–सामग्री विसर्जित करने या डुबकी लगाने के लिए समुद्र में जाने की अनुमति नहीं दी गई। केरल के देवस्वओम मंत्री के. मुरलीधरन ने मंगलवार को कहा था कि विभिन्न देवस्वओम बोर्ड के तहत 'तर्पण' केंद्रों पर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लोगों को तर्पण केंद्रों तक पहुंचने की सुविधा देने के लिए केरल राज्य सड़क परिवहन निगम ने मंगलवार देर रात दो बजे से राज्य के 13 बलि तर्पण केंद्रों तक विशेष बस सेवाएं संचालित कीं।

एफसीआरए विधेयक संयुक्त समिति को भेजा गया, विपक्ष ने की वापस लेने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कई विपक्षी दलों की आलोचना और विभिन्न परमार्थ संगठनों की मांग के बाद बुधवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 को विस्तृत समीक्षा और संभावित सुझावों के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया। लोकसभा ने इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और द्रमुक ने विधेयक को अल्पसंख्यकों के खिलाफ करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग की। सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस विधेयक में एक भी प्रावधान अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है तथा यह सिर्फ देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ध्वनिमत से मंजूरी दी। विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह विधेयक गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अल्पसंख्यक संस्थानों को निशाना बनाने के लिए लाया गया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। वेणुगोपाल ने कहा, ''इस विधेयक को वापस लिया जाए।'' सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष एफसीआरए विधेयक के खिलाफ है। उन्होंने विधेयक को अल्पसंख्यकों के खिलाफ बताया और कहा कि यह सरकार आज तक ऐसा कौन सा विधेयक लाई है जो अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं हो। द्रमुक नेता टीआर बालू ने भी विधेयक को वापस लेने की मांग की। अल्पसंख्यक और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया और अखिलेश यादव को यह साबित करने की चुनौती दी कि इस विधेयक में एक भी प्रावधान अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय को निशाना बनाने का सवाल ही नहीं उठता। रीजीजू का कहना था, ''कांग्रेस और कई विपक्षी दलों ने खुद मांग की थी कि विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाए और अब जब इसे भेजा जा रहा है तो इस पर आपत्ति क्यों है।''

विमान में एसी की समस्या के कारण स्पाइसजेट के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली/भाषा। पुणे जाने वाली स्पाइसजेट की एक उड़ान में मंगलवार को एयर कंडीशनिंग (एसी) की समस्या के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और पुणे की उड़ान के लिए एक दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो क्लिप में कई यात्रियों को विमान के अंदर खड़े होकर खुद को हवा करते हुए देखा जा सकता है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बुधवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली से पुणे जाने वाली उड़ान एसजी–105 में मंगलवार को आखिरी समय में तकनीकी खराबी आ गई थी और उड़ान के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

प्रवक्ता ने कहा, ''एयर कंडीशनिंग पूरे समय चालू रही। दिल्ली में मौसम की मौजूदा स्थिति के कारण, कुछ यात्रियों को संभवत परेशानी का सामना हुआ हो।'' उन्होंने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त किया।

सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का समय-समय पर किया जाता है सुरक्षा आकलन : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई/भाषा। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि कुडनकुलम समेत सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर समय–समय पर सुरक्षा जांच की जाती है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में कहा कि यह जांच आंतरिक रूप से और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) द्वारा की जाती है।

मंत्री ने कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर के सवाल के लिखित जवाब में कहा कि बाहरी सरकारी एजेंसियां भी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का आकलन करती हैं। सांसद ने परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा संबंधी कमजोरियों के आकलन और 'थर्ड–पार्टी' सुरक्षा ऑडिट के बारे में सवाल पूछा था।

मंत्री ने कहा कि इन संयंत्रों को साइबर खतरे का पता लगाने और उनसे निपटने के लिए लगातार निगरानी करने की प्रणाली मौजूद है। सिंह ने कहा, ''एक्सेस कंट्रोल, नियमित सुरक्षा ऑडिट, जोखिम आकलन, घटना पर प्रतिक्रिया देने वाली प्रणाली और क्षमता–निर्माण कार्यक्रमों सहित बचाव व सुरक्षा के उपयुक्त उपाय लागू किए गए हैं।''

यह घटनाक्रम तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़ी इलेक्ट्रॉनिक फाइल के डेटा में सेंध लगने के एक महीने के भीतर हुआ। जुलाई में ऐसी खबरें आई थीं कि रैंसमवेयर समूह 'वर्ल्ड लीक्स' ने 2016 से लेकर 2025 के मध्य तक की 19,000 से अधिक बेहद संवेदनशील फाइल तक पहुंच हासिल कर ली थी।

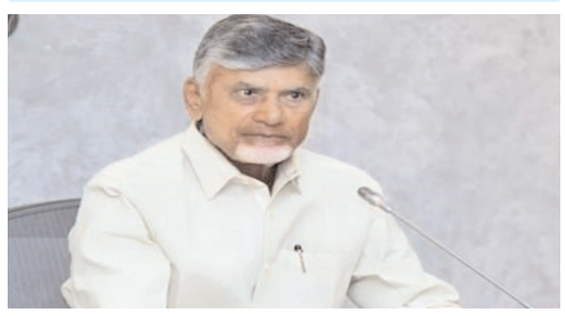

आंध्र एसआईपीबी ने 2.08 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश राज्य निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एसआईपीबी) ने बुधवार को 2.08 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 25 परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं से 21,627 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई एसआईपीबी की 20वीं बैठक में इन निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मंजूर किए गए निवेश प्रस्तावों में कर्नूल में अगस्त्य ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का 7,800 करोड़ रुपये, विशाखापत्तनम में अक्षत ग्रीन टेक लिमिटेड का 1,600 करोड़ रुपये और अनकापल्ली जिले में रिन्यू एपी ग्रीन डेटा सेंटर का 85,200 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। नायडू ने अधिकारियों को हरित अमोनिया, लिथियम बैटरी और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर ध्यान देने तथा इन क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपायों का अध्ययन करने का निर्देश दिया।

उन्होंने राज्य में स्थापित होने वाली औद्योगिक परियोजनाओं के बारे में लोगों में अधिक जागरूकता पैदा करने की जरूरत बताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समूह उद्योगों को प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के रूप में पेश कर गलत जानकारी फैला रहे हैं, जिससे विकास में बाधा डालने वाली गलत धारणाएं पैदा हो रही हैं।

उन्होंने अधिकारियों को ऐसी परियोजनाओं को लेकर फैली गलत धारणाओं को दूर करने का निर्देश दिया। उन्होंने राज्य में औद्योगिक विकास की लगातार निगरानी करने की जरूरत पर जोर दिया और आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक तत्व सोशल मीडिया पर फर्जी अभियान चला रहे हैं। नायडू ने कहा कि सरकार पोलावरम लेफ्ट कैनाल से गुरुत्व प्रवाह के जरिये विशाखापत्तनम के उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराएगी।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दो लोगों को पकड़ा, संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने भारत–बांग्लादेश सीमा के पास से दो लोगों को पकड़ा है जिनमें एक संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के फैसलाबाद निवासी राणा रऊफ उर्फ वहाब आलम को मंगलवार देर रात उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर एसटीएफ के कर्मियों ने बनगांव के पास हाबरा में तलाशी अभियान चलाया और रऊफ को पकड़ लिया।

अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं को संदेह है कि रऊफ के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध हैं और वे भारत में उसकी गतिविधियों, संपर्कों और आवाजाही की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को ही कोलकाता के टॉपसिया इलाके से गिरफ्तार किए गए दूसरे व्यक्ति के रऊफ से कथित तौर पर सीधे संपर्क थे और उसने भारतीय पहचान पत्र हासिल करने में उसकी मदद की थी। हालांकि, अधिकारियों ने उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया है।

एसटीएफ के एक अधिकारी ने कहा, हमें रऊफ के बनगांव सीमा की ओर जाने की विशेष सूचना मिली थी और हमने उसे हाबरा के जेसोर रोड से गिरफ्तार कर लिया। हम आईएसआई से उसके कथित संबंधों, भारतीय पहचान दस्तावेजों के इस्तेमाल और क्या वह बांग्लादेश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था, इसकी जांच कर रहे हैं। जांचकर्ताओं के अनुसार, रऊफ वर्ष 2012 में नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ था।

प्रख्यात शिक्षाविद् विश्वमोहन मिश्रा का 91 वर्ष की आयु में निधन

भुवनेश्वर/भाषा। प्रसिद्ध शिक्षाविद् विश्वमोहन मिश्रा का मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने बुधवार को यह जानकारी दी। वह 91 वर्ष के थे। मिश्रा पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे और मंगलवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी सराजुबाला मिश्रा, बेटे और राज्यसभा सदस्य संतृप्त मिश्रा तथा एक बेटी हैं। राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर मिश्रा ने खल्लिकोट कॉलेज (वर्तमान में विश्वविद्यालय) के प्राचार्य, उत्कल विश्वविद्यालय के अकादमिक स्टाफ कॉलेज के निदेशक तथा केंद्रपाड़ा कॉलेज, एन.सी. कॉलेज, जाजपुर कॉलेज और नयागढ़ कॉलेज के प्राचार्य के रूप में सेवाएं दी थीं। पुरी जिले के बीराप्रतापुर गांव में जन्मे मिश्रा ने पुरी के एससीएस कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में परास्नातक की डिग्री हासिल की।

राज्य अवैध निर्माणों को गिराने, नियमित करने के लिए नीति बनाने पर विचार करें : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र–शासित प्रदेशों से कहा कि वे देशभर में लंबे समय से मौजूद अनधिकृत निर्माणों को नियमित करने या उन्हें गिराने के लिए एक समान नीति बनाने के अनुरोध वाले अभ्यावेदन पर विचार करें। शीर्ष अदालत ने 'सेंटर फॉर लॉ एंड गुड गवर्नेंस' की ओर से दायर उस जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र–शासित प्रदेशों को ऐसी नीति बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था, जिससे गरीबों के अनधिकृत मकानों को बचाया जा सके।

न्यायालय ने कहा कि यह मामला मुख्य रूप से राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के नीतिगत दायरे में आता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने कहा कि हर राज्य में हालात और जमीनी हकीकत अलग–अलग होती है, इसलिए अदालत के लिए पूरे देश के वास्ते एक ही नीतिगत ढांचा तय करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही समझदारी भरा। पीठ ने कहा, इस अदालत के लिए सभी राज्यों में लागू किया जाने वाला समान नीतिगत ढांचा तय करना मुश्किल और संभवत: समझदारी भरा भी नहीं होगा।

विस चुनाव 2027 : 'वारिस पंजाब दे' इंदिरा गांधी के हत्यारे के बेटे को बस्सी पठाना से टिकट देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। अकाली दल वारिस पंजाब दे ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को अपने पहले उम्मीदवार की घोषणा करते हुए कहा कि वह केहर सिंह के बेटे सतवंत सिंह (61) को बस्सी पठाना सीट से अपना उम्मीदवार बनाएगा। केहर सिंह को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की साजिश रचने का दोषी करार दिया गया था और उसे फांसी की सजा दी गई थी। इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो अंगरक्षकों सतवंत सिंह और बेअंत सिंह ने 31 अक्टूबर 1984 को उनके आवास पर कर दी थी।

अकाली दल वारिस पंजाब दे के कार्यकारी अध्यक्ष तरसेम सिंह ने बुधवार को केहर सिंह के बेटे सतवंत की उम्मीदवारी की घोषणा की। तरसेम सिंह, खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह के पिता हैं, जो 2023 में अजनाला पुलिस थाना पर हुए हमले के मामले में अभी असम की जेल में बंद हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमृत कौर मलोआ ने बस्सी पठाना विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी। वह इंदिरा गांधी के हत्यारों में से एक बेअंत सिंह की बेटी हैं। वह फरीदकोट के सांसद सरबजीत सिंह खालसा की बहन हैं। अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' ने हाल में इंदिरा गांधी की हत्या के मामले में दोषी करार दिये गए सतवंत सिंह के भतीजे सुखविंदर सिंह अगवान को पार्टी के संसदीय बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया है।

गुरुवायूर मंदिर में 23 अगस्त को 377 विवाह समारोह के लिए बुकिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर में 23 अगस्त को बड़ी संख्या में विवाह समारोह होंगे और मलयालम कैलेंडर के शुभ माह 'चिंगम' के पहले रविवार के लिए अब तक 377 शादियों की बुकिंग हो चुकी है। गुरुवायूर देवस्वोम ने बताया कि बुकिंग अभी जारी है, इसलिए शादियों की संख्या 400 के पार जा सकती है। इसके अलावा 30 अगस्त के लिए भी 295 विवाह समारोहों के लिए बुकिंग की जा चुकी है।

देवस्वओम के अध्यक्ष ए. वी. गोपीनाथ ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में दर्शन को सुगम बनाने और विवाह समारोहों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। गुरुवायूर देवस्वओम ने मंगलवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि 23 और 30 अगस्त को विवाह समारोह सुबह चार बजे से शुरू होंगे, ताकि सभी शादियां समय पर संपन्न कराई जा सकें।

समारोहों के लिए छह मंडप बनाए जाएंगे और अतिरिक्त मंदिर कर्मचारियों तथा 'मंगलवाद्यम' (वाद्य यंत्र बजाने वाले) दलों को तैनात किया जाएगा। देवस्वओम ने कहा कि भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए दूल्हा–दुल्हन के अलावा फोटोग्राफर सहित केवल 24 लोगों को विवाह मंडप के पास जाने की अनुमति होगी। इस मंदिर में आठ सितंबर 2025 को एक दिन में रिकॉर्ड 334 शादियां हुई थीं।

एयरटेल ने 299 रुपये के लोकप्रिय प्लान समेत चार प्रीपेड प्लान बंद किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 299 रुपये, 579 रुपये, 619 रुपये और 649 रुपये वाले चार प्रीपेड प्लान हटा दिए हैं जिसके बाद 299 रुपये का लोकप्रिय प्लान चुनने वाले ग्राहकों के लिए अब 349 रुपये वाला महंगा विकल्प ही रह गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एयरटेल का यह कदम दूरसंचार उद्योग में शुल्क बढ़ोतरी की संभावित शुरुआत का संकेत है। दूरसंचार कंपनियों का इस समय प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़ाने पर विशेष ध्यान बना हुआ है। एयरटेल ने प्रीपेड प्लान में किए गए बदलाव के बाद 199 रुपये और 219 रुपये वाले शुरुआती प्लान में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन 299 रुपये वाला प्लान हटने से उसके ग्राहकों को अब 349 रुपये का प्लान लेना होगा, जो करीब 16 प्रतिशत महंगा है। इस 349 रुपये के प्लान में असीमित 5जी डेटा की सुविधा है।

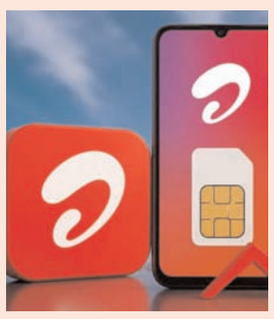

कंपनी के कार्यकारी वाइस चेयरमैन गोपाल विट्ठल ने कहा था कि शुल्क में सुधार की बात वास्तव में मोबाइल प्लान की मौजूदा संरचना से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि बहुत कम कीमत पर असीमित डेटा उपलब्ध कराने से एआरपीयू एक सीमा तक सीमित रह जाता है, जो कारोबार के लिए स्वस्थ स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि हर बाजार में छोटे, मध्यम, बड़े और बहुत बड़े स्तर के प्लान होते हैं लिहाजा मोबाइल सेवाओं में तर्कसंगत 'मूल्य संरचना' जरूरी है।

द्रमुक ने मुख्यमंत्री विजय के परिसीमन प्रस्ताव का किया समर्थन

उदयनिधि स्टालिन ने कहा-संसदीय सीटें कम नहीं होनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में परिसीमन के मुद्दे पर सियासी एकजुटता देखने को मिली। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को टीवीके सरकार के परिसीमन प्रस्ताव का द्रमुक की ओर से समर्थन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भविष्य के किसी भी परिसीमन में तमिलनाडु की लोकसभा में हिस्सेदारी कम नहीं होनी चाहिए।

तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने कहा, द्रमुक ने लगातार उस किसी भी परिसीमन प्रक्रिया का विरोध किया है जिससे राज्य को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि द्रमुक के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उन पहले नेताओं में थे जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या आधारित परिसीमन के संभावित परिणामों के बारे में चेतावनी दी थी। उदयनिधि स्टालिन ने याद दिलाया कि पिछली द्रमुक सरकार ने इस मुद्दे पर राजनीतिक सहमति बनाने के लिए कई कदम उठाए थे। उन्होंने कहा, फरवरी 2024 में स्टालिन के नेतृत्व में विधानसभा ने परिसीमन पर एक प्रस्ताव पारित किया था। इसके बाद 5 मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, जिसमें टीवीके समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। स्टालिन ने सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र भी लिखा था, जिसमें परिसीमन के संभावित असर के बारे में बताया गया था। बाद में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए चेन्नई में विभिन्न राज्यों के राजनीतिक नेताओं की संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक भी हुई। विपक्ष के नेता ने चिंता जताई कि परिसीमन के प्रावधानों को फिर से लागू किया जा सकता है, जिससे 2027 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर संसदीय सीटों का पुनर्वितरण हो सकता है। उन्होंने मांग की कि परिसीमन से जुड़ी मौजूदा संवैधानिक व्यवस्था को अगले 25 साल के लिए बढ़ाया जाए, ताकि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल की है, उन्हें संसद में कम प्रतिनिधित्व देकर सजा न दी जाए।

उदयनिधि स्टालिन ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए डीएमके के समर्थन को भी दोहराया। हालांकि उन्होंने कहा, अगर महिला आरक्षण को लागू करना परिसीमन से जोड़ा जाता है, तो यह प्रक्रिया 1971 की जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर होनी चाहिए। उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि द्रमुक विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार द्वारा लाए गए प्रस्ताव का स्वागत करती है और पूर्ण समर्थन देती है। इससे विधानसभा में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व की रक्षा करने और साथ ही महिलाओं के लिए आरक्षण को आगे बढ़ाने पर व्यापक राजनीतिक सहमति का संकेत मिलता है।

एफसीएनआर (बी) योजना के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने जुटाए 25 करोड़ डॉलर : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने कहा है कि बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुरू की गई विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा योजना के तहत 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। बैंक ने जुलाई के लिए आंतरिक रूप से तय 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को पार करते हुए 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने यहां फिक्की और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के सालाना कार्यक्रम के इतर कहा, हमने जुलाई के लिए निर्धारित आंतरिक लक्ष्य को पार कर लिया है और एफसीएनआर-बी योजना के तहत 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि बैंक ने गिफ्ट सिटी शाखा के माध्यम से यह राशि जुटाई है और आरबीआई की विशेष अदला-बदली सुविधा की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा है। अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद कुमार ने 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने की उम्मीद जताई थी।

बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले कहा था कि एफसीएनआर-बी जमा के लिए पश्चिम एशिया और ऑस्ट्रेलिया के बाजारों पर ध्यान दिया जा रहा है। बैंक वर्तमान में तीन वर्ष की एफसीएनआर-बी जमा पर 6.50 प्रतिशत और पांच वर्ष की जमा पर 6.60 प्रतिशत ब्याज की पेशकश कर रहा है। आरबीआई ने जून की मौद्रिक समीक्षा बैठक में विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ाने और देश की बाह्य स्थिति मजबूत करने के लिए विशेष एफसीएनआर-बी सुविधा शुरू की थी।

'आदि अमावसई' पर हजारों लोगों ने जलाशयों के किनारे 'पितृ तर्पण' किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के विभिन्न इलाकों में हजारों लोगों ने बुधवार को 'आदि अमावसई' के मौके पर समुद्र तटों, नदियों और जलाशयों के किनारे अपने दिवंगत पूर्वजों के सम्मान में पारंपरिक अनुष्ठान 'पितृ तर्पण' किया।

रामेश्वरम और कन्याकुमारी जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के साथ-साथ चेन्नई के तटीय इलाकों और कावेरी व थामिराबरानी नदियों के किनारों पर भी बड़ी संख्या में लोगों को अनुष्ठान करते देखा गया। ज्योतिषियों ने कहा कि भारतीय समयानुसार मंगलवार देर रात सूर्य ग्रहण लगा था, लेकिन यह भारत में, विशेष रूप से तमिलनाडु में दिखाई नहीं दिया, इसलिए स्थानीय लोगों पर इससे जुड़ा कोई भी धार्मिक नियम या पाबंदी लागू नहीं होता। पर्यटन विभाग के सूत्रों ने बताया कि रामेश्वरम के 'अग्नि तीर्थम' समुद्र तट पर सुबह-सुबह अलग-अलग जिलों और पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु पहुंचे।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं ने 'अग्नि तीर्थम' के पास समुद्र में डुबकी लगाई और श्री रामनाथस्वामी मंदिर के '22 पवित्र तीर्थों' में स्नान करने से पहले अपने पूर्वजों को तिल और पिंड का तर्पण किया। परंपरा के अनुसार, तमिल महीने आदि, थाई और पुरत्तासी में पड़ने वाली अमावस्या (नये चंद्रमा) के दिन पितरों को समर्पित अनुष्ठान के लिए पवित्र माने जाते हैं। तमिल पंचांग के मुताबिक, वर्तमान में आदि (आषाढ़) महीना चल रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा ने लोकसभा सीट स्थायी रूप से 543 रखने का प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा बुधवार को पेश उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया जिसमें केंद्र सरकार से लोकसभा सदस्यों की संख्या को स्थायी रूप से 543 पर निर्धारित रखने की अपील की गई है।

विधानसभा ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश किये गए प्रस्ताव को करीब दो घंटे तक चली तीखी बहस के बाद मंजूरी दी जिसमें 2029 में होने वाले आम चुनावों और विधानसभा चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की वकालत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण में और देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, महिलाओं के लिए आरक्षण कोई खैरात नहीं है, बल्कि यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। सत्तापक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करना केंद्र की जिम्मेदारी है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम लागू किए हैं, उन पर परिसीमन प्रस्ताव का नकारात्मक प्रभाव न पड़े। मुख्य विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) का बाहर से समर्थन कर रहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। पूर्व मुख्यमंत्री ई. के. पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव के केवल उस हिस्से का समर्थन किया जिसमें महिला आरक्षण को लागू करने की मांग की गई है।

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने प्रस्ताव का विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की। भाजपा के एकमात्र सदस्य भोजराजन ने कहा कि केंद्र आने वाली पीढ़ियों के कल्याण पर विचार करते हुए परिसीमन पहल कर रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्य के लिये भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से अलग-अलग मोहरबंद निविदाएं निर्धारित फॉर्म उप मुख्य इंजीनियर / ब्रिजलाईन-I, उ. प. रे., जयपुर कार्यालय से आमंत्रित की जाती है :-**1** निविदा संख्या : DYCEBRLINE-I-2026-01 **2.** कार्य का नाम व स्थान : Provision of inspection facilities, Replacement of Elastomeric Bearings,Replacements of loose HSFG Bolts, Laterally slewing of PSC girders, casting of dowel box and thorough painting of steel girders & inspection platforms on various Major & Important Bridges/ROBs of Ajmer Division. **3.** अनुमानित कार्य की लागत : रू. 3,74,78,973.52 **4.** बयाना राशि : रू. 7,49,600.00 **5.** कार्य पूरा करने की अवधि: 12 माह **6.** निविदा फॉर्म जमा कराने की अंतिम तिथि व समय : 31.08.2026 at 15.00 Hrs **7.** वेबसाइट का विवरण : www.ireps.gov.in
1169-DE/26
हमें /NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)
मुख्य कार्यालय, द्वार सं.10
(पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
लोधी रोड़, नई दिल्ली - 110003
File No. 01-04001(02)/3/2026-66 Date: 21-07-2026
एलपीडी माइनस पैंशन आधार पर सहायक निदेशक (राजभाषा) पद हेतु नियुक्ति
भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत निकाय है, एलपीडी माइनस पैंशन आधार पर सहायक निदेशक (राजभाषा) के एक (01) पद पर नियुक्ति हेतु पात्र सेवानिवृत सरकारी अधिकारियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की समय-सारणी निम्नानुसार है:-
- ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि: 23.07.2026
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 22.08.2026
विस्तृत विज्ञापन, पात्रता शर्तें, नियुक्ति के नियम एवं शर्तें, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य आवश्यक निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध हैं।
CBC 47103/11/0021/2627

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094541,4185, 4144 फैक्स : 080-28094180
संक्षिप्त ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे दिए गए कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों से **मद-दर ई-निविदाएँ** ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। निविदा आमंत्रण सूचना (NIT) में कार्यों का विवरण आईएसआरओ, आईएसटीआरएसी, पीण्या, बेंगलुरु-58 के **समूह प्रमुख** द्वारा जारी किया गया है। (फोन: 080-2809 4541, 4185, 4144)

कार्य का नाम	एमओएक्स कैंपस, आईएसटीआरएसी, पीण्या, बेंगलुरु में विद्युत संस्थापनों के संचालन हेतु वार्षिक सेवा अनुबंध।	आईडीएसएन कैंपस, बायलालु, आईएसटीआरएसी, बेंगलुरु के विभिन्न स्थानों पर विद्युत संस्थापनों के संचालन हेतु वार्षिक सेवा अनुबंध।
ई-निविदा सूचना संख्या	ISTRAC/CMG/E/MAINT/ ई-निविदा-65/2026-27 दिनांक: 12.08.2026	ISTRAC/CMG/E/MAINT/ ई-निविदा-66/2026-27 दिनांक: 12.08.2026
अनुमानित निविदा लागत	रु. 35.49 लाख	रु. 65.02 लाख
निविदा दस्तावेज का विवरण	ई-निविदाएँ	
कार्य पूर्ण करने की अनुशंसित अवधि	12 माह (समान नियम एवं शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों की अवधि तक बढ़ाने का प्रावधान)।	12 माह (समान नियम एवं शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों की अवधि तक बढ़ाने का प्रावधान)।
निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि	13.08.2026 को 16.00 बजे से 28.08.2026 को 16.00 बजे तक।	13.08.2026 को 16.00 बजे से 02.09.2026 को 16.00 बजे तक।
बोली स्पष्टीकरण	14.08.2026 को 11.00 बजे से 27.08.2026 को 16.00 बजे तक।	14.08.2026 को 11.00 बजे से 03.09.2026 को 16.00 बजे तक।
बोली स्पष्टीकरणों के उत्तर की अंतिम तिथि एवं समय	28.08.2026 को 16.00 बजे तक।	04.09.2026 को 16.00 बजे तक।
निविदाएँ प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	29.08.2026 को 16.00 बजे तक।	05.09.2026 को 16.00 बजे तक।
निविदाएँ खोलने की नियत तिथि एवं समय	31.08.2026 को 11.00 बजे तक।	07.09.2026 को 11.00 बजे तक।
बयाना राशि (EMD)	रु. 70,980/-	रु. 1,30,040/-

पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए इच्छुक निविदाकार वेबसाइट **www.isro.gov.in/Tenders.html** पर उपलब्ध विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) **निविदा आमंत्रण सूचना (NIT)** देख सकते हैं तथा **www.tenderwizard.com/ISRO** पर निविदा को निःशुल्क देख सकते हैं।
हस्ताक्षर/- समूह प्रमुख, सीएमजी

सेंट थॉमस माउंट में सैनिक इंस्टीट्यूट का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय सेना ने वर्दीधारी कर्मियों, सिविल डिफेंस कर्मचारियों और उनके परिवारों की भलाई और कल्याण के लिए अपनी लगातार प्रतिबद्धता के तहत 12 अगस्त 2026 को चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट में सैनिक इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया।

सेना के दक्षिण भारत क्षेत्र के तहत काम करने वाली इस सुविधा का उद्देश्य भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना, कोस्ट गार्ड और सिविल डिफेंस कर्मचारियों के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवारों को चेन्नई के बीचों-बीच किफायती दरों पर महत्वपूर्ण समारोह और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक बड़ी, सुविधाजनक और किफायती जगह उपलब्ध कराना है।

इस सुविधा में एक बड़ा एयर-कंडीशंड हॉल, एक खुला लॉन और एक एंटी-रूम (प्रतीक्षा कक्ष) शामिल है। साथ ही, इसमें वॉशिंग एरिया के साथ एक सेल्फ-हेल्प किचन और पर्याप्त पार्किंग की जगह भी है, जो अलग-अलग स्तर के आयोजनों के लिए एक बहुउद्देशीय जगह प्रदान करती है।

इसका उद्घाटन आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन दक्षिण भारत क्षेत्र की ज़ोनल प्रेसिडेंट ने किया। अपने शुरुआती संबोधन में, दक्षिण भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने कहा कि सैनिक इंस्टीट्यूट सैन्य समुदाय के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है और यह 'केयर एंड शेयर' (देखभाल और साझा करने) की सेवा भावना का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की सुविधाएं विभिन्न सेवाओं और उनका समर्थन करने वाले परिवारों के बीच संबंधों को मजबूत करती हैं, और एक ऐसी जगह प्रदान करती हैं जहां व्यक्तिगत अवसरों को सम्मान और आसानी से मनाया जा सके। ओटीए-नंगनल्लूर मेट्रो स्टेशन के पास सुविधाजनक रूप से स्थित यह सुविधा चेन्नई और राज्य भर के कर्मियों और मेहमानों के लिए आसान कनेक्टिविटी प्रदान करती है। यह सुविधा 15 अगस्त 2026 से काम करना शुरू कर देगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है- ई- निविदा सूचना सं० 2026-27 : 121 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Improvement of Drainage system by raising/extension of retaining wall cross drainage etc at warious existing RUBs in the Jurisdiction of DEN/East. अनुमानित लागत रूपये : 46673772.90 बयाने की राशि रूपये: 933500.00 ई- निविदा सूचना सं० 2026-27 : 123 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Provision of Tool cum Resting facilities for Gangs in the section of ADEN/DNA (MKN, DIA & SUJH) and other related Ancillary works. अनुमानित लागत रूपये : 24028725.27 बयाने की राशि रूपये: 480600.00 ई- निविदा सूचना सं० 2026-27 : 125 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Construction of Road under Bridge subway (1x6.0x4.0m) in lieu of manned LC no. 20 (Km 34/5-6), LC No. 22 (Km 36/0-1), LC No. 39 (Km 68/7-8) & LC No. 47 (Km 82/7-8) on FL-DNA Section and LC No. 33 (Km 534/8-9) on MTD-BKN section in the Jurisdiction of DEN/North over Jodhpur Division. अनुमानित लागत रूपये : 182105265.40 बयाने की राशि रूपये: 3642100.00 निविदा सूचना संख्या 121of2026-27, 123of2026-27 & 125of2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि **24.08.2026, 26.08.2026 & 26.08.2026** को 15:00 बजे तक है। वेबसाइट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है – **www.ireps.gov.in**
1166-DE/26
हमें /NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास का प्रमुख इंजन हैं ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वित्त तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास का प्रमुख इंजन हैं और बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने में उन्हें एक जैसी संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सीतारमण यहां ब्रिक्स के सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठक में द रोल ऑफ द न्यू डेवलपमेंट बैंक इन मोबिलाइजिंग प्राइवेट कैपिटल इन मेंबर कंट्रीज विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में निवेश के जोखिम को कम करने, परियोजना को बैंक के लिए आकर्षक बनाने और निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में बहुपक्षीय विकास बैंकों की अहम भूमिका पर जोर दिया ताकि बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाई जा सके।

आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और उससे जुड़े संरचनात्मक सुधारों के जरिये अपने अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि एक दशक पहले की तुलना में सार्वजनिक निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है जो राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाह, डिजिटल अवसंरचना और ऊर्जा नेटवर्क में उत्पादक राष्ट्रीय परिसंपत्तियां बनाने की एक सोची-समझी रणनीति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का मानना है कि सार्वजनिक पूंजी को निजी निवेश का विकल्प नहीं बल्कि उसके उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करना चाहिए। इसी सिद्धांत के समर्थन में भारत सरकार ने विभिन्न सुधार किए हैं जिसमें आर्थिक रूप से सीमित लेकिन सामाजिक रूप से वांछनीय परियोजनाओं को समर्थन प्रदान करने को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण करना शामिल है। उन्होंने माना कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के मुख्य इंजन हैं, वहीं बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने में उन्हें एक जैसी संरचनात्मक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि यह चुनौती सिर्फ पूंजी की उपलब्धता की ही नहीं, बल्कि भरोसा, स्थिरता, पूर्वानुमेयता और विश्वसनीय दीर्घकालिक ढांचा तैयार करने की भी है, जो सदस्य देशों में निजी क्षेत्र की निरंतर भागीदारी को बढ़ावा देने को जरूरी हैं।

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकासात्मक वित्त का भविष्य साझेदारी में निहित है। बहुपक्षीय संस्थाओं, राष्ट्रीय सरकारों और निजी क्षेत्र सहित सभी की अपनी-अपनी विशिष्ट खूबियां हैं।

इससे पहले आर्थिक कार्य विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि आज की संगोष्ठी खास तौर पर प्रासंगिक है क्योंकि विकासात्मक वित्त अब ऐसे दौर में है जहां बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ मजबूती भी जरूरी है। बयान के अनुसार, संगोष्ठी में वरिष्ठ नीति-निर्माता, बहुपक्षीय संस्थाओं और निजी कंपनियों के प्रमुख मौजूद थे।

भाजपा सरकार के सामाजिक न्याय के दावों की पोल खुली: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक संसदीय समिति की रिपोर्ट के हवाले से केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर बुधवार को निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस रिपोर्ट ने भाजपा सरकार के सामाजिक न्याय के दावों की पोल खोल दी है। गहलोत ने एक बयान में कहा, संसदीय समिति की रिपोर्ट ने केंद्र की भाजपा सरकार के सामाजिक न्याय के दावों की पोल खोल दी है। अनुसूचित जाति-अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग योजना में 2023-24 में 3,500 के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 223 यानी 6.4 प्रतिशत छात्रों को कोचिंग मिली, 2025-26 में यह आंकड़ा फिर गिरकर सिर्फ 12.3 प्रतिशत रह गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने कहा कि इसका बजट भी जानबूझकर 47 करोड़ से घटाकर सिर्फ 20 करोड़ रुपए कर दिया गया। उन्होंने कहा, यह लापरवाही नहीं बल्कि सोची-समझी नीति है। जो सरकार अनुसूचित जाति और ओबीसी वर्ग के वोट तो मांगती है, उसी वर्ग के बच्चों की शिक्षा योजना का बजट चुपचाप काट देती है। गहलोत ने कहा कि संसदीय समिति को खुद कहना पड़ा कि सरकार का जवाब संतोषजनक नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी कांग्रेस सरकार की अनुप्रति कोचिंग योजना ने राजस्थान में हजारों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी छात्रों को प्राथमिकता देकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का सशक्त मंच दिया था। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार को यह समझना चाहिए कि दलित-पिछड़ों की शिक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा।

एआई, डिजिटल तकनीक से स्मार्ट शिक्षा से सशक्त होगी राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने बुधवार को जयपुर में पीरामल फाउंडेशन ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल, सीईओ आदित्य नटराज, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के चेयरमैन एवं सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल के साथ बैठक कर राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों, नवाचारों, मॉडल विद्यालयों के विकास करने एवं भावी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल, रोजगारपरक प्रशिक्षण एवं बेहतर मानसिक स्वास्थ्य का वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में यादव ने प्रदेश में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं, सरकारी विद्यालयों एवं शिक्षा कार्मिकों से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 649 पीएमविद्यालयों की तर्ज पर सीएम राइज में 400 विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नवाचारों को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा सेतु कार्यक्रम की जानकारी देते हुए इसके माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं विद्यालयी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। एसीएस ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएं। उन्होंने विद्यालयों में संचालित व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का विस्तार करने तथा दूरस्थ एवं छोटे गांवों के विद्यालयों तक इनका लाभ पहुंचाने की आवश्यकता बताई। बैठक में विद्यार्थियों एवं युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए संस्थागत स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने, ड्रॉपआउट रोकने, नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श हुआ। विद्यालयों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। चयनित सरकारी विद्यालयों को बेहतर सुविधाओं एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाते हुए मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने तथा कम्युनिटी पार्टिसिपेशन को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

यादव ने शिक्षकों एवं शिक्षा कार्मिकों के प्रशिक्षण को मजबूत करने के लिए ट्रेनिंग सेंटर एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सीएसआर के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा निजी संस्थाओं एवं फाउंडेशन के साथ प्रभावी साझेदारी को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। पीरामल फाउंडेशन के संस्थापक अजय पीरामल ने संस्था द्वारा राजस्थान में किए जा रहे कार्यों का फीडबैक लिया तथा चर्चा एवं सुझावों के अनुरूप सहयोग को और बढ़ाने का आश्वासन दिया।

प्रदेश सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को जोधपुर जिले में पाल रोड स्थित विधायक जनसुनवाई केन्द्र लूणी में आमजन की परिवेदनाएं सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में निरंतर जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं से अंतिम व्यक्ति को जोड़ा जा रहा है।

पटेल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या उदासीनता सुशासन की अवधारणा को कमजोर करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें और नागरिकों को राहत पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पटेल ने कहा कि अधिकारी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, इससे आमजन में शासन की छवि सुदृढ़ होती है और जनता का विश्वास प्रशासन पर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल आदेशपालक न बनें, बल्कि शासन की नीति और मंशा के अनुरूप सक्रिय भागीदारी निभाएं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद रखें ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित एवं युक्तियुक्त समाधान सुनिश्चित किया जा सके। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं है, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई जैसी व्यवस्थाएं लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती हैं और नागरिकों को सशक्त बनाती है। पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवाएं प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इन सेवाओं की नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राजस्थान में कई जगह भारी बारिश होने की संभावना

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय रहने के कारण बुधवार को राजस्थान के अनेक हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।मौसम विभाग के अनुसार कई जगह मध्यम से लेकर भारी बारिश हो सकती है।मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य में भारी बारिश का दौर जारी है। बुधवार को भी जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर तथा जोधपुर और बीकानेर संभागों के कुछ भागों में मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी और एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश होने की चेतावनी है।

भारी बारिश की गतिविधियों में बृहस्पतिवार से कमी होने तथा राज्य के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश और पूर्वी राजस्थान में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। इसी तरह 14 अगस्त से जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग के अधिकांश भागों में बारिश में कमी आएगी। हालांकि, उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी भागों में कुछ स्थानों पर मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। राज्य के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी भागों को छोड़कर अधिकांश इलाकों में 15 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है।

लोकतंत्र सेनानियों से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष लोकतंत्र की रक्षा की ऐतिहासिक गाथा है तथा उनका त्याग और समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों से अपने अनुभवों के माध्यम से समाज को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री बुधवार को अपने आवास पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेक पीढ़ियों के बलिदान के बाद देश को आजादी मिली। वहीं, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों ने राष्ट्रहित में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए लोकतंत्र की रक्षा की।

शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि उसे जो लोकतांत्रिक व्यवस्था सहज रूप से मिली है, उसके पीछे लोकतंत्र सेनानियों का त्याग छिपा है। इससे युवा लोकतंत्र के महत्व को समझने और उसके संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक लोकतंत्र सेनानी को अपने जीवन के अनुभवों को लिखित रूप में दर्ज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को संरक्षित करेगी।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानी समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए राष्ट्रहित जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सभी वर्गों के साथ निरंतर संवाद करें, ताकि सुशासन, विकास और सामाजिक संवेदना सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता बने।शर्मा ने कहा कि इससे कठिन समय में व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए योगदान देने की भावना भी मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की पीढ़ी ने आपातकाल को देखा और सहा है, इसलिए वे समाज और राष्ट्र को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। उनके अनुभवों का लाभ प्रदेश को मिलना चाहिए। इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व सांसद राजेंद्र गहलोत सहित बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी उपस्थित रहे।

ब्यावर के जैतारण में गूंजा राष्ट्रप्रेम, 100 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत ब्यावर जिले में आयोजित हो रहे राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की श्रृंखला में जैतारण में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के नेतृत्व में निकली रैली में 100 मीटर लंबा तिरंगा आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। हाथों में तिरंगा थामे बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने देशभक्ति के नारों से पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया।

रैली में आमजन ने उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता निभाते हुए राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और गौरव की भावना व्यक्त की। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने तिरंगा हाथ में लेकर रैली में भाग लिया और 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

तिरंगा रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में आमजन ने तिरंगे का स्वागत करते हुए रैली में

शामिल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। देशभक्ति गीतों और नारों से जैतारण का माहौल राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। रैली ने नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आमजन से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

सफाईकर्मियों की नियुक्ति के मुद्दे को लेकर धरने पर बैठे मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर बुधवार को अलवर नगर निगम कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के साथ धरने पर बैठ गए और जिलाधिकारी पर निशाना साधा। शर्मा ने कहा कि जब तक सफाई कर्मचारियों को नियुक्तिपत्र नहीं मिल जाते और उनकी नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक वह धरना स्थल से नहीं उठेंगे। मंत्री ने सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित देरी को लेकर जिलाधिकारी और नगर निगम आयुक्त के प्रति कड़ी नाराजगी जताई।

वहीं, राज्य के कांग्रेस नेताओं ने इस घटनाक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है। मंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने 2012 की भर्ती प्रक्रिया के तहत सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर निगम ने नियुक्तिपत्र जारी करने के संबंध में स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक से मार्गदर्शन मांगा था। शर्मा ने बताया कि कई महीनों की बातचीत और

प्रक्रिया के बाद अधिकारियों ने 69 अभ्यर्थियों को नियुक्तिपत्र देने का निर्णय लिया था, लेकिन बाद में यह प्रक्रिया रोक दी गई। बुधवार सुबह वाल्मीकि समुदाय के कुछ सदस्य उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बताया कि अधिकारियों ने नियुक्तिपत्र देने से इनकार कर दिया है। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, मैंने जिलाधिकारी से बात की, लेकिन उनका रवैया नकारात्मक था। वह अपने रुख पर अड़ी हुई थीं और मामले को सुलझाने के लिए तैयार नहीं थीं। इसलिए मैं नगर निगम कार्यालय आया और समुदाय के सदस्यों के साथ धरने पर बैठ गया। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री कार्यालय को भी इस मामले की जानकारी दी है। जिलाधिकारी अर्तिका शुक्ला से इस संबंध में बात नहीं हो सकी।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, अगर मंत्री अपनी ही सरकार के घोटालों के खिलाफ धरने पर बैठ जाएं, तो सोचिए...सरकार में भाजपाई भ्रष्टाचार का आलम क्या है। डोटासरा ने कहा, जब मंत्री स्वयं नौकरशाही पर बेईमानी, लूट-खसोट और मनमानी करने जैसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं, तो सोचिए अराजकता की स्थिति कितनी भयावह है।

उन्होंने कहा कि अलवर में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर वन मंत्री संजय शर्मा का धरने पर बैठना और जिलाधिकारी व नगर निगम आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाना भाजपा सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। डोटासरा ने कटाक्ष करते हुए कहा, जनता सब देख रही है और ढाई साल बाद इस अराजक और भ्रष्ट व्यवस्था की विदाई तय है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार की असलियत अलवर में खुलकर सामने आ गई है। सफाई कर्मचारियों को नियुक्तिपत्र तक नहीं मिल रहे और खुद राज्यमंत्री संजय शर्मा को अपनी ही सरकार के नगर निगम के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ा। यह भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है।

उन्होंने कहा, जिलाधिकारी से बात करने के बावजूद जब अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो मंत्री को खुद सड़क पर बैठकर आंदोलन करना पड़ा। यह दिखाता है कि भाजपा राज में मंत्री सिर्फ नाम के हैं, जबकि असली फैसले नौकरशाही की मर्जी से होते हैं। जूली ने कहा, जिस सरकार का अपना मंत्री ही न्याय के लिए भटकता फिरे, वह गरीब सफाई कर्मचारियों और आम जनता को क्या इंसाफ देगी? राज्य सरकार के कामकाज पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, यह सरकार नहीं चल रही, बल्कि अफसरशाही के भरोसे लड़खड़ा रही है। भाजपा को यह बताना चाहिए कि जब उसका अपना मंत्री ही व्यवस्था से त्रस्त है, तो जनता किस मुंह से इस सरकार पर भरोसा करे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने कर्तव्य पथ पर तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को यहां कर्तव्य पथ पर आयोजित तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराएं, उसकी तस्वीरें लें और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करें। मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा शुरू होने से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज हम यहां अपने देश को आगे ले जाने और भारत को मजबूत बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ खड़े हैं। स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें आजादी दिलाई है। अब देश की ताकत युवाओं और वर्तमान पीढ़ी के हाथों में है। अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और उसकी तस्वीरें लें। राष्ट्रध्वज हाथों में थामे प्रतिभागियों ने इंडिया गेट से विजय चौक तक मार्च किया।

स्वतंत्रता दिवस से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहरभर में तिरंगा यात्राएं निकाल रही है। इन यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रवादी नेताओं के योगदान को रेखांकित किया जा रहा है।

बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा पर जाने वाली महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी, मुकदमा दर्ज

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाली एक महिला के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संभल की रहने वाली तमन्ना मलिक नामक महिला बुर्का पहनकर अपने पति अमन त्यागी के साथ कांवड़ लेकर हरिद्वार आयी थी और बाद में गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर में जलाभिषेक किया था। उन्होंने बताया कि महिला ने अपनी इस यात्रा की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर साझा की थीं जिस पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मुरादाबाद के रहने वाले फरमान नामक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने शांति भंग के तहत कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि फरमान को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जहां से उसे जमानत मिल गई। फरमान का थाने से बाहर निकलते समय का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है जिसमें वह कथित तौर पर कान पकड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है।

सहकारी संस्थाओं को और अधिक मजबूत करने की राज्यसभा में उठी मांग

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदस्यों ने सहकारी संस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में इन संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को बदलती जरूरतों के अनुरूप प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लाये गए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के रामराव सखाराम वडकुते ने कहा कि सहकारी संस्थाओं से किसानों को बहुत मदद मिलती है क्योंकि उन्हें बीज से लेकर बाजार तक बहुत कुछ चाहिए। यह विधेयक सहकारी संस्थाओं को मजबूत करेगा और निश्चित रूप से किसानों को इससे बहुत मदद मिलेगी। वडकुते ने मांग की कि ''सीमांत किसानों को सहकारी संस्थाओं का लाभ मिले तथा सहकारिता में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। यह विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' सहकारिता मंत्री अमित शाह की ओर से उच्च सदन में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक 2026 को सहकारिता राज्य मंत्री मोहोल ने पेश किया।

बंगाल विधानसभा में हावड़ा वार्ड परिसीमन संशोधन विधेयक पारित, सरकार ने मास्टर प्लान तैयार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बुधवार को हुए विशेष एक दिवसीय सत्र में हावड़ा नगर निगम में वार्ड की संख्या 50 से बढ़ाकर 68 करने के प्रस्ताव वाले विधेयक को पारित कर दिया गया। साथ ही सदन द्वारा सात फरवरी को पारित एक संशोधन विधेयक को वापस ले लिया गया।

राज्य की शहरी विकास और नगर कार्य मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने हावड़ा नगर निगम संशोधन विधेयक, 2026 पेश करते हुए वार्ड के प्रस्तावित पुनर्गठन का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इसका मकसद निवासियों को नागरिक सेवाएं तेजी से उपलब्ध कराना है। पॉल ने बताया कि राज्य सरकार ने हावड़ा के लिए एक विशेष मास्टर प्लान तैयार किया है। इस मास्टर प्लान में सड़कों की मरम्मत, साफ पेयजल की आपूर्ति में सुधार और स्थायी जल निकासी की व्यवस्था बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से कोलकाता में बार-बार होने वाली जल-जमाव की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वार्ड के पुनर्गठन का फैसला आबादी में अंतर की वजह से लिया गया है। पॉल ने कहा, ''वार्ड की संख्या बढ़ाने का फैसला आबादी में अंतर की वजह से लिया गया है। वार्ड के पुनर्गठन के बाद नागरिकों को नागरिक सुविधाएं और बेहतर ढंग से मिल पाएंगी।'' अपने संबोधन के दौरान

पॉल ने विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस के विधायकों पर निशाना साधा और हावड़ा में लंबे समय से मौजूद नागरिक समस्याओं जैसे कि जल-जमाव, खराब सड़कें, अपर्याप्त जल निकासी व्यवस्था, बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण और पेयजल की समस्याओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि हावड़ा में थोड़ी सी भी बारिश के बाद दो से तीन दिनों तक पानी जमा रहता है।'' उन्होंने कथित अवैध निर्माण और पर्याप्त जल निकासी तथा जल आपूर्ति ढांचे के अभाव को लेकर पिछली सरकार पर सवाल उठाए। परिसीमन संशोधन विधेयक के आधिकारिक तौर पर पारित होने के बाद हावड़ा में लंबित निकाय चुनाव इस साल त्योहारों के मौसम के बाद होने की संभावना है। पॉल ने कहा, ''हम नगर निकाय चुनाव के समय का फैसला अपनी पार्टी के कार्यालय में बैठकर नहीं करेंगे। इसका निर्णय राज्य निर्वाचन आयोग से परामर्श के बाद लिया जाएगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने चुनाव हारने के डर से जानबूझकर निकाय चुनावों में देरी की थी। पॉल ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस की सरकार में हावड़ा को नगर निकाय के लिए आवंटित 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता नहीं मिली। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार के राजनीतिक हितों के कारण हावड़ा को केंद्र की ओर से आवंटित 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से वंचित रखा गया।'' नगर निकाय पर कर्मचारियों और नागरिक कार्यों से जुड़े ठेकेदारों का 400 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। मंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने विस द्वारा फरवरी में पारित हावड़ा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को विभाग को वापस कर दिया था और इस संबंध में अतिरिक्त जानकारी मांगी थी। इसके बाद भाजपा के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने वार्ड की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से पहले के विधेयक को वापस ले लिया। साथ ही, राज्य मंत्रिमंडल ने कोलकाता नगर निगम में भी वार्ड की संख्या 144 से बढ़ाकर 209 करने के प्रारंभिक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

'लुंगीवाला' टिप्पणी विवाद पर सुष्मिता देव ने दी सफाई

नड्डा ने ब्रिटास से मामला सुलझाने की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की सांसद सुष्मिता देव ने बुधवार को कहा कि उन्होंने किसी राज्य की वेशभूषा पर कोई टिप्पणी नहीं की और राज्यसभा से ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए जिससे भारत को सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर बांटने की भावना पैदा हो।

यह स्पष्टीकरण उन्होंने माकपा सांसद जॉन ब्रिटास के उस आरोप के सिलसिले में दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सदस्य ने उन्हें बार-बार ''लुंगीवाला'' कहा था। पूर्वाह्न 11 बजे राज्यसभा की बैठक शुरू होने पर इस मुद्दे को लेकर हंगामा हुआ था, जिसके बाद सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी थी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर सुष्मिता देव ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा, ''मैं असम की बंगाली हूं। मैंने अलग-अलग राज्यों को देखा है, जहां हम अलग-अलग तरह की वेशभूषा और कपड़े पहनते

हैं। न तो मैंने और न ही किसी सदस्य ने किसी राज्य की पोशाक पर कोई टिप्पणी की है। मैं इसे रिकॉर्ड पर रखना चाहती हूं।'' सुष्मिता देव ने कहा कि वह ब्रिटास को लंबे समय से जानती हैं। उन्होंने कहा कि इस सदन से ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए कि कोई सदस्य भारत में सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर विभाजन चाहता है। सदन के नेता जे पी नड्डा ने दोनों सांसदों के बीच पैदा हुई गलतफहमी को दूर करने की पेशकश की। नड्डा ने कहा, ''अगर दोनों सांसद मेरे कक्ष में आते हैं तो इस गलतफहमी को दूर किया जा सकता है।'' इससे पहले, बुधवार को दिन की कार्यवाही शुरू होने के बाद सूचीबद्ध दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के तुरंत बाद ब्रिटास ने यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने नाम लिए बिना कहा कि भाजपा की एक सदस्य ने उन्हें कथित तौर पर ''लुंगीवाला'' कहकर निशाना बनाया। विपक्षी सदस्यों ने ब्रिटास का समर्थन किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जब यह कथित घटना हुई थी तब वह सदन में मौजूद थे। उन्होंने सभापति से अनुरोध किया कि वह संबद्ध सदस्यों को अपने कक्ष में बुलाएं और उनकी बात सुन कर समाधान निकालें। सभापति राधाकृष्णन ने कहा कि सदन में एक सदस्य द्वारा दूसरे सदस्य के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी करने का मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को टिप्पणियां करते समय यह बात ध्यान में रखना चाहिए कि किसी की भावनाएं आहत न हों। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति अनूठी है और विविधता में एकता हमारी विशेषता है जो बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा किसी की संस्कृति को लेकर कोई भी आहत करने वाली बात कहना ठीक नहीं है। सभापति ने कहा कि वह संबंधित सांसदों को अपने कक्ष में बुलाकर इस मामले पर चर्चा करेंगे। सभापति ने शून्यकाल शुरू कराने का प्रयास किया। इसी बीच विपक्षी सदस्यों और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच तीखी तकरार होने लगी।

शाह ने बिरला को लिखा पत्र : नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए विपक्ष से बातचीत का किया आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर सदन में चर्चा के लिए विपक्ष से बातचीत करने करने का आग्रह किया और कहा कि वह सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। शाह ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि लोकतंत्र में समाधान तलाशने का एकमात्र तरीका संवाद और चर्चा है तथा उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में पूरा विश्वास है। गृह मंत्री ने पत्र में कहा, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि कृपया विपक्ष से सलाह-मशविरा करें। सभी की सहमति से चर्चा के लिए जितना समय आवश्यक हो, उतना समय निर्धारित करें। मैं पूरी चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहूंगा और चर्चा के दौरान विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दूंगा।

उन्होंने कहा कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के महत्वपूर्ण मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों को चर्चा के दौरान अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। शाह ने कहा, लोकतंत्र में समाधान तलाशने का एकमात्र तरीका संवाद और चर्चा है और मुझे लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में पूरा अटूट विश्वास है।

नीतीश ने बिहार में एपीएमसी व्यवस्था खत्म की

किसानों को मिला सीधा लाभ : संजय झा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय झा ने बिहार में कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) व्यवस्था खत्म करने के लिए राज्यसभा सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि इस कदम से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे बैंक खातों में मिलने लगा।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान झा ने नीतीश कुमार के दो दशक से अधिक समय बाद संसद में लौटने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कुमार ने उनसे कहा था कि बतौर सांसद उनके पहले के कार्यकाल में सदन में इस तरह के व्यवधान देखने को नहीं मिलते थे। झा ने कहा, ''नीतीश जी अब राज्यसभा में हैं... उन्होंने 2005 में संसद छोड़ी थी और 20 साल से अधिक समय बाद वापस आए हैं।'' नीतीश कुमार उनके बगल में बैठे थे। झा ने बताया कि नीतीश कुमार ने यह भी जिक्र किया कि उनके पहले के कार्यकाल में संसद में इस तरह के विरोध प्रदर्शन नहीं होते थे। बिहार में सहकारिता क्षेत्र में नीतीश कुमार के कामकाज की सराहना करते हुए झा ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद 2006 में राज्य में एपीएमसी व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''बिहार में 2006 में नीतीश जी ने एपीएमसी व्यवस्था खत्म की, जिसमें बिचौलियों की भूमिका थी। आज अनाज की खरीद प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के माध्यम से होती है और किसानों को पैसा सीधे उनके बैंक खातों में मिलता है। यह बिहार में उनके द्वारा किया गया बदलाव है।''

फर्रुखाबाद में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी, 33 गांवों के 23 हजार से अधिक लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फर्रुखाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश में गंगा और रामगंगा नदियों का जलस्तर बढ़ने से फर्रुखाबाद जिले में बुधवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई। कई गांवों में पानी घुस गया, सड़क संपर्क बाधित हुआ और कटान शुरू हो गया। हालांकि, जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज करने का दावा किया है। प्रशासन के अनुसार बाढ़ से 33 गांवों के 23,367 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, जमीनी रिपोर्ट के अनुसार करीब 60 गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि गंगा का जलस्तर 137.05 मीटर पहुंच गया है, जो खतरे के निशान से महज पांच सेंटीमीटर नीचे है। जिला प्रशासन ने 24 अस्थायी आश्रय स्थल और 52 बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं। राहत एवं बचाव कार्य के लिए 50 नाव, पांच मोटरबोट, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम और पीएसी की बाढ़ राहत इकाई तैनात की गई है। हालांकि, जिला प्रशासन के अनुसार 23 हजार से अधिक लोगों के प्रभावित होने के बावजूद अब तक केवल 240 लोग ही राहत शिविरों में पहुंचे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 35 चिकित्सा शिविर लगाए हैं, जहां 536 लोगों का उपचार किया गया। विभाग ने 272 ओआरएस पैकेट और क्लोरीन की 896 गोलियां भी वितरित की हैं। पशुपालन विभाग के अनुसार, 11 पशु चिकित्सा शिविरों में 79 पशुओं का उपचार किया गया और 3,804 पशुओं का टीकाकरण किया गया। राजेपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ने से गंगा पार के इलाके में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। इसके मद्देनजर अधिकारियों ने फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग को बंद कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है और यह खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। राजेपुर डिप के ऊपर तीन फुट से अधिक पानी तेज बहाव के साथ बह रहा है, जबकि चित्रकूट डिप पर करीब पांच फुट पानी जमा है।

सोशल मीडिया के जरिये भारतीयों से ठगी करने वाला नाइजीरियाई गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने लखनऊ के एक व्यक्ति से 68 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह से कथित रूप से जुड़े 37 वर्षीय एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान न्वोगु ओबेद ओसिनाची के रूप में हुई है। उसे मंगलवार को दिल्ली के बुराड़ी स्थित कमल विहार के एक मकान से गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ के अनुसार, गिरोह के सदस्य विदेशी नागरिकों की पहचान का इस्तेमाल कर फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर फर्जी प्रोफाइल बनाते थे और भारतीय पुरुषों एवं महिलाओं से दोस्ती करते थे।

पीड़ितों को महंगे उपहार, डॉलर या पाउंड भेजने का झांसा दिया जाता था। बाद में उन्हें बताया जाता था कि उपहार या विदेशी मुद्रा हवाईअड्डे पर रोक ली गई है। इसके बाद आरोपी कथित तौर पर खुद को सीमा शुल्क या आयकर अधिकारी बताकर उपहार अथवा विदेशी मुद्रा जारी कराने के लिए सीमा शुल्क, आयकर या जीएसटी के नाम पर पैसे की मांग करते थे। एसटीएफ ने बताया कि मामले की जांच उस समय शुरू हुई जब लखनऊ के एक व्यक्ति से 'डोरिस विलियम' नाम से बनाए गए फर्जी फेसबुक प्रोफाइल के जरिए करीब 68 लाख रुपये की कथित ठगी की गई। प्रोफाइल में खुद को इंग्लैंड का निवासी बताया गया था। पीड़ित को कथित तौर पर रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड (आरबीएस) का फर्जी प्रमाणपत्र भेजा गया और सीमा शुल्क, आयकर तथा जीएसटी के नाम पर उससे रकम वसूली गई।

राम मंदिर पर जब भाजपा ने राजनीतिक लाभ उठाया तब राज्य का विषय नहीं था : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को कहा कि सरकार राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से यह कहते हुए इनकार कर रही है कि यह राज्य का विषय है, जबकि लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंदिर के नाम पर राजनीतिक लाभ उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी।

मानसून सत्र के आखिरी चरण में भी संसद में जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि सरकार को जनता के प्रति जिम्मेदारी का अहसास नहीं है, क्योंकि संसद ही वह मंच है जहां उसे सवालों के जवाब देने और बयान देने होते हैं। उन्होंने संसद भवन परिसर में

संवाददाताओं से कहा, एक बहुत बड़ा प्रदर्शन हुआ था। देश के युवा दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर उतरे थे। उन्हें पीटा गया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और उन पर पैलेट गन चलाई गई। बिहार में प्रदर्शनकारियों पर एके-47 का इस्तेमाल किया गया। सरकार को लगता है कि उसे कोई जवाब नहीं देना है, वह यह बयान तक नहीं देना चाहती कि ऐसा कैसे हुआ। आदेश किसने दिया? राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी का जिक्र करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मंदिर के लिए पूरे देश से चंदा आया था। उन्होंने कहा, ''लोगों ने अपनी आस्था के लिए चंदा दिया था। गरीब लोगों ने यह सोचकर चंदा दिया कि यह मंदिर के लिए है। लोगों की भगवान राम में आस्था सिर्फ हमारे देश में ही नहीं, बल्कि मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड में भी है। अब आप कह रहे हैं कि यह राज्य का विषय है।''

प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ''जब आपको चुनाव से पहले अभियान चलाना था और इससे राजनीतिक लाभ लेना था, तब यह राज्य का विषय नहीं था। अब यह राज्य का विषय हो गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर का उद्घाटन किया था। वह किसी प्रदेश के नहीं, बल्कि देश के प्रधानमंत्री हैं। मंदिर के उद्घाटन के लिए पूरे देश से लोग आए थे। अब वे कहते हैं कि यह राज्य का विषय है और वे संसद में इसका जवाब नहीं देंगे। चंदा गायब हो गया है। यह क्या तरीका है?''

कांग्रेस कार्यसमिति की 19 अगस्त को बैठक, सरकार को घेरने की रणनीति पर होगी चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक 19 अगस्त को होगी, जिसमें मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में छात्रों के मुद्दे और राम मंदिर से ''चंदा चोरी'' के आरोप को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर भी चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों की भी समीक्षा किए जाने की संभावना है।

न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच रिपोर्ट संसद में पेश की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने वाली समिति की रिपोर्ट बुधवार को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर नोटों की अधजली गड्डियां मिलने के मामले में उन्हें पद से हटाने की कार्यवाही शुरू की गई थी। राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी ने जांच समिति की दो खंडों वाली रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी। इसके साथ ही जांच के दौरान दर्ज किए गए मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य भी पेश किए गए।

लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने भी जांच समिति की दो खंडों वाली रिपोर्ट लोकसभा के पटल पर रखी। तीन सदस्यीय जांच समिति ने मई में अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी थी। बिरला ने 12 अगस्त 2025 को, न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से कथित रूप से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले की जांच के लिए इस समिति का गठन किया था।

लोकसभा की बुधवार की कार्यसूची के अनुसार, निचले सदन के महासचिव भी रिपोर्ट के दोनों खंडों और मौखिक साक्ष्यों को सदन के पटल पर रखेंगे। न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास में 14 मार्च 2025 की रात आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंचे दमकलकर्मियों को कथित तौर पर एक स्टोर रूम में नोटों की अधजली गड्डियां मिली थीं।

न्यायमूर्ति वर्मा ने इस्तीफा दे दिया और उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया लगभग निष्प्रभावी हो गई है। हालांकि, उनके इस्तीफे को अभी तक कानून मंत्रालय ने अधिसूचित नहीं किया है। विवाद के बाद न्यायमूर्ति वर्मा को उनके मूल न्यायालय इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था जो घटना के समय दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि न्यायमूर्ति वर्मा का उस विशेष स्टोर रूम पर सक्रिय या मौन नियंत्रण'' था, जहां कथित तौर पर नकदी रखी गई थी। जुलाई 2025 में 200 से अधिक सांसदों ने न्यायमूर्ति वर्मा को पद से हटाने के लिए उनपर महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद अगस्त में बिरला ने आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायाधीश जांच समिति का गठन किया था। हालांकि, संसद द्वारा पद से हटाए जाने की आशंका के मद्देनजर न्यायमूर्ति वर्मा ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही निष्प्रभावी हो गई।

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति और हटाने की प्रक्रिया से जुड़े जानकारों के अनुसार, शीर्ष अदालत के एक फैसले के मुताबिक, कोई न्यायाधीश राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंपते हैं और उसकी प्रति सार्वजनिक कर दी जाती है तो माना जाता है कि न्यायाधीश ने इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने बताया कि न्यायाधीश का इस्तीफा राष्ट्रपति की स्वीकृति पर निर्भर नहीं होता। प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति औपचारिक रूप से इस्तीफा स्वीकार करते हैं, जिसके बाद कानून मंत्रालय का न्याय विभाग इसकी अधिसूचना जारी करता है।

सुविचार

समय सबसे मूल्यवान धन है। जो इसका सम्मान करता है, वही जीवन में आगे बढ़ता है। समय का सदुपयोग करें, सफलता आपके साथ होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मिलकर बनाएं नेताजी के सपनों का भारत

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनीता बी फाफ ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर देशवासियों का ध्यान अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने टोक्यो के रेंकोजी मंदिर से नेताजी की 'अस्थियों' को वापस लाने का अनुरोध किया है। इस संबंध में देशवासियों द्वारा पहले भी कई बार मांग की गई थी। रेंकोजी मंदिर में रखीं अस्थियों के बारे में मतभेद हैं। कई विशेषज्ञ दावा करते हैं कि वे अस्थियां नेताजी की हैं। कई इस दावे को खारिज करते हैं। हालांकि सच्चाई का पता लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। वैज्ञानिक परीक्षणों से यह रहस्योद्घाटन हो सकता है, लेकिन इसके लिए भारत सरकार को अपनी भूमिका दृढ़ता से निभानी होगी। नेताजी ने इस देश के लिए बहुत बड़ा त्याग किया था। जिन अंग्रेजों के बारे में कहा जाता था कि इनके साम्राज्य में कभी सूरज नहीं डूबता, नेताजी ने उन्हें प्रत्यक्ष चुनौती दी थी। उन्होंने आज़ाद हिंद फौज का नेतृत्व कर दुनिया को दिखा दिया था कि भारतवासी अपनी स्वतंत्रता के लिए एकजुट एवं अनुशासित होकर लड़ना जानते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि यह स्वतंत्रता मुफ्त में नहीं मिली थी। इसके लिए नेताजी और असंख्य योद्धाओं ने बहुत संघर्ष किया था। भारत मां के कई सपूतों की ज़िंदगी काल कोठरियों में खत्म हो गई थी। नेताजी भी कई बार जेल गए थे। उन्होंने लंबी भूख हड़ताल की थी। इससे उनकी सेहत पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा था। जब वे अंग्रेजों की आंखों में धूल झोंककर जर्मनी चले गए थे, तब ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें खत्म करने के आदेश जारी किए थे। नेताजी ने उस मुश्किल दौर का डटकर सामना किया था। अब हमारा फर्ज है कि हम वैसा भारत बनाएं, जिसका सपना नेताजी ने देखा था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का मकसद भारत को सिर्फ अंग्रेजी शासन से मुक्त कराना नहीं था। वे एक आत्मनिर्भर, सशक्त, सुंदर और विकसित देश बनाना चाहते थे। नेताजी राष्ट्रीय एकता और अनुशासन के बहुत बड़े पैरोकार थे। उनका पूरा जीवन इन आदर्शों के लिए समर्पित था। नेताजी ने उद्योगों के विकास पर बहुत जोर दिया था। वे देश से बेरोजगारी, गरीबी और अभाव दूर करना चाहते थे। उन्होंने मजदूरों के अधिकारों और कल्याण को बहुत महत्त्व दिया था। वे चाहते थे कि औद्योगिक विकास का फायदा कुछ परिवारों तक सीमित न रहे। नेताजी ने विकसित देशों को बहुत करीब से देखा था। वे उनकी उन्नति का रहस्य जानते थे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया था कि विज्ञान और तकनीक में रुचि लें। नेताजी सुभाष चंद्र बोस महापुरुषों की जीवनी और प्रेरक साहित्य पढ़ते थे। जब वे स्कूली विद्यार्थी थे, तब स्वामी विवेकानंद से बहुत प्रभावित हुए थे। उन्होंने स्वामीजी के उपदेशों से संबंधित कई पुस्तकें पढ़ी थीं। वे रामकृष्ण परमहंस और महर्षि अरविंद से भी प्रभावित थे। आज कितने युवा महापुरुषों का साहित्य पढ़ने में रुचि रखते हैं? उस ज़माने में अंग्रेजों ने युवाओं को मानसिक रूप से गुलाम बनाने के लिए अश्लील किताबों, शराब और नशाखोरी का जाल बिछाया था। जिसे इन चीजों की लत लग जाती थी, उसे आंदोलन, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता से कोई मतलब नहीं रहता था। नेताजी ने युवाओं को अंग्रेजों की इस साजिश से सावधान किया था। ये बुराइयां आज भी मौजूद हैं। इंटरनेट पर अश्लीलता की बाढ़-सी आ गई है। शराब, सिगरेट, खैनी, जर्दा और ड्रग्स का चलन बढ़ता जा रहा है। युवाओं के दिलो-दिमाग में यह बात बैठाकर उन्हें गुमराह किया जा रहा है कि नशा करेंगे तो आधुनिक कहलाएंगे। युवाओं को नेताजी का संदेश याद रखते हुए अपनी ज़िंदगी के लिए ऊंचा मकसद तय करना चाहिए। अगर महान लोगों से प्रेरणा लेंगे तो खुद भी महान बनेंगे।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान ने 50,000 मेगावाट से ज़्यादा कैपेसिटी वाले प्रोजेक्ट्स लगाकर ग्रीन एनर्जी के फील्ड में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। 44,135 मेगावाट सोलर एनर्जी कैपेसिटी के साथ, राजस्थान देश में पहले नंबर पर है ।

-दिया कुमारी

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद जी की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' का विमोचन किया। इस मौके पर मुझे उनके प्रेरणा देने वाले जीवन संघर्षों और देश सेवा के सफर पर अपने विचार शेयर करने का मौका मिला।

-ओम बिरला

युवा स्वरोजगार योजना भाजपा सरकार की घोषणाओं और हकीकत के बीच के अंतर का सबसे नया उदाहरण है। जनवरी 2026 में एक लाख युवाओं को स्वरोजगार के मौकों से जोड़ने के बड़े-बड़े वादों के साथ शुरू की गई इस योजना में आज तक एक भी लोन मंज़ूर नहीं हुआ है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

व्यर्थ का अहंकार

ज्ञान-प्राप्ति के बाद व्यासपुत्र शुकदेव ने जब गुरुजी को गुरु दक्षिणा देनी चाही तो गुरुजी ने उनसे कोई ऐसी चीज लाने को कहा जो सर्वथा व्यर्थ हो। शुकदेव यह सोचकर मुस्कुरा पड़े कि गुरुजी ने मांगी भी तो क्या चीज! सारी धरा व्यर्थ चीजों से ही तो अटी पड़ी है। मिट्टी को व्यर्थ समझकर जब शुकदेव ने उसे उठाया, तो वह बोली कि मैं व्यर्थ नहीं हूं क्योंकि इस धरा का समस्त वैभव मेरे ही गर्भ में छिपा है। पत्थरों को व्यर्थ समझकर शुकदेव ने जब उन्हें उठाना चाहा, तो वे बोले कि सभी विशालकाय पर्वत हमसे ही बने हैं, फिर हम व्यर्थ कैसे हुए? ऐसे ही, जब उन्होंने कूड़े-कचरे को हाथ लगाया, तो आवाज आई कि हमारी बड़ी उपयोगिता है, इस धरती को हमसे बढ़िया खाद कौन दे सकता है? इस प्रकार काफी प्रयास करके भी जब शुकदेव कोई व्यर्थ चीज नहीं ढूंढ़ पाए, तो वे निराश हो गए। सहसा उनके अंतर्मन से आवाज आईइस संसार में हर चीज उपयोगी है, किंतु अहंकारवश हम उन्हें व्यर्थ समझते रहते हैं फिर तो दुनिया की सबसे व्यर्थ चीज हमारा अहंकार हुआ। ऐसा विचार आते ही दौड़कर वे गुरुजी के पास गए और बोले, 'अहंकार से बढ़कर व्यर्थ चीज दुनिया में और कोई नहीं है, अतः मैं अपना अहंकार आपको गुरु-दक्षिणा में देता हूं।'

सामयिक

विश्व अंगदान दिवस पर आज विशेष

मृत्यु नहीं, नवजीवन का संदेश है अंगदान

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

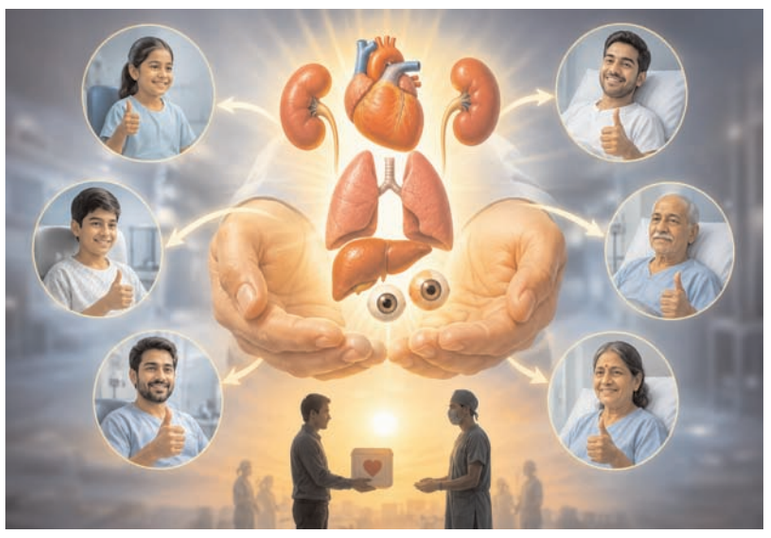

अंगदान ऐसा कार्य है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रह सकता है, किसी की धड़कनों में, किसी की सांसों में, किसी के जीवन की लय में। यह समाज को एक नई सोच देता है, जिसमें मृत्यु अंत नहीं बल्कि नवजीवन का आरंभ होती है। जब कोई अंगदाता अपने अंग किसी अनजान को सौंपता है तो वह केवल एक व्यक्ति की जान नहीं बचाता बल्कि पूरे परिवार को संजीवनी देता है। यही वह भावना है, जिसके कारण अंगदान को जीवन संजीवनी अभियान कहा जाता है।

अंगदान, मानवता का वह महानतम उपहार है, जिसमें कोई व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवन की किरण बनकर कई अन्य लोगों को जीवित रखता है। यह न केवल एक व्यक्ति की जान बचाने का कार्य है बल्कि पूरे परिवारों को उम्मीद और संजीवनी देने वाला सामाजिक मिशन भी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा अंगदान करना केवल एक अंग का हस्तांतरण नहीं बल्कि उस व्यक्ति और परिवार के लिए जीवन का नया आश्वासन और एक जीवंत संजीवनी है। अंगदान उस महान मानवीय परंपरा का प्रतीक है, जिसमें एक व्यक्ति मृत्यु के बाद भी जीवित बना रह सकता है। प्रत्येक वर्ष 13 अगस्त को अंगदान के महत्व और इसके जरिए अनगिनत जीवन बचाने के संदेश को फैलाने के लिए 'विश्व अंगदान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल दुनियाभर में हर साल लाखों लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में होते हैं लेकिन अंगदाताओं की कमी के कारण अनेक मरीज समय पर इलाज नहीं पा पाते। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अंगदान से हृदय, गुर्दा, यकृत, फेफड़े, अग्न्याशय और कॉर्निया जैसे अंग प्रत्यारोपित कर हजारों जीवन बचाए जा सकते हैं। जब कोई व्यक्ति अंगदान करता है तो वह अपने अंगों से आठ लोगों को जीवन दे सकता है और ऊतकों से कई और लोगों की सहायता कर सकता है।

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि अंगदान और प्रत्यारोपण की दिशा में वैश्विक स्तर पर प्रगति हो रही है लेकिन मांग और आपूर्ति के बीच की खाई अब भी बहुत गहरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और ग्लोबल ऑब्जर्वेटरी ऑन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के अनुसार, विश्व में हर घंटे औसतन 18 अंग प्रत्यारोपण किए जाते हैं। वैश्विक आवश्यकता की पूर्ति अब भी 10 प्रतिशत से भी कम है यानी लगभग 90 प्रतिशत जरूरतमंद मरीजों को समय पर अंग उपलब्ध नहीं हो पाते। हालांकि, वर्ष 2010 की तुलना में 2022 तक प्रत्यारोपण की संख्या में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो जागरूकता और चिकित्सा तकनीक में प्रगति का संकेत है परंतु यह वृद्धि मांग की तुलना में अपर्याप्त है। अंगदान की कमी के पीछे सामाजिक मिथक, जागरूकता की कमी, कानूनी और प्रक्रियागत बाधाएं प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही अवैध अंग व्यापार वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या है, जिसका अनुमानित वार्षिक आर्थिक आकार 600 मिलियन से 1 बिलियन डॉलर तक है और लगभग 10-15 प्रतिशत अंग प्रत्यारोपण अवैध स्रोतों से होते हैं।

भारत में अंगदान के क्षेत्र में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और अब यह विषय राष्ट्रीय महत्व का विषय बन चुका है। जीवन की इस अनमोल देन को समझना और स्वीकारना देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रगति का प्रतीक है। 'राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन' (नोट्टो) इस अभियान का प्रमुख संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य अंगदान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और व्यापक बनाना है। नोट्टो ने पिछले वर्षों में जनजागरूकता बढ़ाने, प्रक्रिया को डिजिटल बनाने और अस्पतालों को प्रशिक्षित करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्ष 2024 में भारत ने 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था और 2025 में यह आंकड़ा 20019 पहुंच गया। यह 2013 के मुकाबले एक बड़ी छलांग है, जब यह संख्या केवल 5,000 के आसपास थी। अब भारत अंग प्रत्यारोपण के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है, केवल अमेरिका और चीन ही हमसे आगे हैं। विशेष बात यह है कि भारत अब हाथ के प्रत्यारोपण के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है, जो देश की उन्नत शल्य चिकित्सा प्रणाली और चिकित्सा कर्मियों के समर्पण का प्रमाण है।

यह भी जरूरी है कि इस उपलब्धि के बीच उन चुनौतियों पर भी दृष्टि डाली जाए, जो भारत में अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को सीमित करती हैं। भारत में हर वर्ष लगभग 63,000 लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण और 22,000 को यकृत प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों की भी भारी मांग है लेकिन देश में मृतक अंगदाताओं की दर आज भी 1 प्रतिशत से कम है। सांस्कृतिक भ्रांतियां, पारिवारिक झिझक और अंगदान की प्रक्रिया की अपर्याप्त जानकारी इस असंतुलन के प्रमुख कारण हैं। ग्लोबल ऑब्जर्वेटरी ऑन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के अनुसार, भारत की अंगदान दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर 0.8 तक पहुंची है जबकि स्पेन में यह दर 35.3, अमेरिका में 26 और क्रोएशिया में 36.5 है। इस प्रकार भारत में अंगदान की दर अभी भी बहुत कम है। देश में औसतन प्रतिदिन 20 लोग अंगों की अनुपलब्धता के कारण मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। यह आंकड़ा अत्यंत पीड़ादायक है।

अंगों की कमी के कारण लगभग 5 लाख लोग हर साल जान गंवाते हैं जबकि यदि भारत में मृतक अंगदान को व्यापक रूप से अपनाया जाए तो इन मौतों को रोका जा सकता है। यह भी देखा गया है कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अत्यधिक है। 2021 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 1.5 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए थे। इनमें से 67 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष की आयु के युवा थे। यह वही आयु वर्ग है, जिसमें अंगदान की सर्वाधिक संभावना होती है लेकिन 2021 में केवल 552 मामलों में ही मस्तिष्क मृत्यु के पश्चात अंगदान हुआ। यह संख्या मृतक अंगदान की कम जागरूकता को दर्शाती है। यदि दुर्घटना के बाद अस्पतालों में ब्रेन डेड रोगियों की सही पहचान, परिजनों की सहमति और तेज कार्रवाई हो तो मृतक अंगदान की दर में भारी वृद्धि की जा सकती है। भारत में मृतक अंगदान की अवधारणा अभी भी पर्याप्त स्वीकार्यता नहीं पा सकी है। अंगों की मांग और आपूर्ति के इस गहरे अंतर को भरने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें नीति, तकनीक, शिक्षा, और सामाजिक जागरूकता सभी की भूमिका अहम है। इस दिशा में जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।

अंगदान ऐसा कार्य है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रह सकता है, किसी की धड़कनों में, किसी की सांसों में, किसी के जीवन की लय में। यह समाज को एक नई सोच देता है, जिसमें मृत्यु अंत नहीं बल्कि नवजीवन का आरंभ होती है। जब कोई अंगदाता अपने अंग किसी अनजान को सौंपता है तो वह केवल एक व्यक्ति की जान नहीं बचाता बल्कि पूरे परिवार को संजीवनी देता है। यही वह भावना है, जिसके कारण अंगदान को जीवन संजीवनी अभियान कहा जाता है। हमें यह समझना होगा कि अंगदान केवल विज्ञान नहीं बल्कि आत्मा का विस्तार है, मृत्यु के पार जीवन की अविरल धारा। यही वह परिपक्वता है, जिसकी ओर भारत अब आत्मविश्वास से बढ़ रहा है और यह वह दिशा है, जिसमें अंगदान एक जनांदोलन बनकर देश की आत्मा को उज्ज्वल करेगा।

नजरिया

क्या यही हमारे सपनों का भारत है?

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

हम में से अधिकतर लोग एक सुर में राजनीति-राजनेताओं को इसका जिम्मेदार ठहरा देंगे। पर क्या हम यह सोचने की भी जहमत उठाएंगे कि आखिर इन नेताओं को चुना किसने है! अगर इन्होंने अन्याय किया है, तो अब तक खामोश रहने वाला कौन है! हदों से पार जाकर बर्दाश्त करने वाला कौन है! आखिर कब तक हम जीवन चलाने के नाम पर समझौतों की आड़ लेते रहेंगे! हमारा ये बर्दाश्तपन थकता भी है या नहीं!

कहां से शुरू करूं! कौन सा नगमा या तराना गाऊं! उपलब्धियों की बात करूं या नाकामियों का दर्द सुनाऊं! दिल में कसक लेकर यूं कैसे देश पर इतराऊं! कैसे कह दूं कि पूर्ण स्वराज मिल गया, करोड़ों लोगों की लाचारी-मजबूरी के बाद कैसे इठलाऊं! कैसे संविधान की यात्रा पर प्रकाश डालूं! कैसे आजादी के ऐतिहासिक जन्म की गाथा गाऊं! सच कहूं तो करोड़ों भारतीयों की तरह मेरे दिल में भी एक दर्द है। शायद आपके दिल में भी होगी! कुछ वैसी ही, जैसी आजादी के मतवालों के दिल में थी। उनके दिल में आजादी की मुकम्मल पालना नहीं होने की आशंका थी। मुझे असल मायनों में अब तक पूर्ण स्वराज हासिल नहीं हो पाने का मलाल है।

सबसे पहले राजनीति पर चर्चा कर लूं। बड़ी ऊहापोह की स्थिति है। दावों में हमारे नेता जितने आगे हैं, राजनीतिक स्तर पर काम करने और निर्णय लेने में उतने ही पीछे। ये किसी दल विशेष की बात नहीं है, सभी दलों के नेताओं का हाल कमोबेश एक जैसा ही है। आतंकवाद, चरमपंथ, कट्टरपंथ, नक्सलवाद, माओवाद, कुशल नेतृत्व, कूटनीतिक संबंध, विदेश नीति और आम आदमी को सम्मानजनक जीवन जीने का आधार उपलब्ध कराने जैसे तमाम संकटों से ग्रस्त मेरे देश में भले ही कोई मस्त हो ना हो, लेकिन नेता मदमस्त हैं। सर्वधर्म समानता और सभी को जीने की आजादी का अधिकार उपलब्ध कराने की अवधारणा पर टिके भारतीय संविधान को पिछले 75 सालों से अधिक समय में हुक्मरानों की राजनीति कमजोरी और आम आदमी की अधिकतर मौकों पर चुप्पी ने बहुत आघात पहुंचाया है।

इधर, देश को जोड़कर चलने की सोच अब प्रदेशों-जिलों के बंटवारे में बदल चुकी है। वहीं सामाजिक और सामुदायिक एकता पर अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक कार्ड भारी है। परिवारों में सिमटती राजनीति, नेताओं के पीछे भागने की आम आदमी की मजबूरी और राजनीतिक संतुलन के नाम पर महज धर्म-समाज तथा जाति कार्ड खेलकर मतदाताओं को ठगने, छलने और भरमाने पर उतारू नेता। नई किरण के रूप में नजर आते नेता भी बाद में उम्मीदों पर पानी फेरते हुए दिखलाई देते हैं। आए दिन संविधान का मखौल उड़ाती ये कैसी राजनीतिक तस्वीर बना दी है हमने! कब इसमें संवेदना और शांति के रंग भरे जा सकेंगे! क्या ऐसा संभव हो सकेगा!

राजनीतिक स्तर पर तो जो हो रहा है, सो हो रहा है। उससे भी ज्यादा दयनीय स्थिति बनी हुई है सामाजिक स्तर पर धर्म और समाज के नाम पर। चहुंओर ठेकेदारों की जमात इकट्ठा हो चुकी है। जहां देखो वहां कथित मौलानाओं-मौलवियों, बाबाओं-भक्तों की ओर से आस्था की ना जाने कैसी गंगा-जमुना बहाई जा रही है कि उसमें तमाम उम्मीदें बही जा रही हैं। आस्था के नाम पर पाखंड का बोलबाला हो चला है। रास्ता कैसे निकलेगा, कोई नहीं जानता! अजब हालात हैं।

यूं तो समाज को एकता का पाठ पढ़ाने के लिए अनेक मंच हैं और जब यही मंच गुटबाजी में तब्दील हो जाते हैं, तो समझ नहीं आता कि अब समाजों में एकता आएगी कैसे! दानवीरता का आलम यह है कि धार्मिक स्थलों के लिए पैसा पानी की तरह बहा देंगे, लेकिन द्वार पर अगर किसी भिखारी का बच्चा रोटी मांगने आ धमका, तो उसे दुत्कार कर भगाने में एक पल की भी देरी नहीं होगी। अपने-अपने धर्म और मजहब को श्रेष्ठ साबित करने की होड़ लगी है, जबकि धार्मिक विशेषज्ञ भी इस बात को भली-भांति समझते-मानते हैं कि हर धर्म में अगर कुछ खूबियां हैं, तो कुछ खामियां भी हैं।

अब बात आम और आवाम की करें। असल में गली की सड़क से लेकर संसद तक कहीं भी, कोई भी समस्या पैदा होने पर अब हमारी आदत एक-दूसरे की ओर देखने की हो गई है। शायद यह स्थिति हमारे खून में प्रोटीन और विटामिन की तरह रम गई है। शायद हम अब इस इंतजार में रहते हैं कि कोई महानायक आएगा और चुटकी बजाते ही हमारी समस्याओं का समाधान कर देगा। यह महानायक होगा कौन, इसी गणित के जोड़-भाग लगाने में हम मशगूल रहेंगे, बजाय कुछ कर्म करने के। हम गण हैं और यह तंत्र हमसे है, ना कि हम तंत्र से। कब समझेंगे हम इस बात को! भले ही देर-सवेर सही, हमें हर हाल में इस बात को समझना पड़ेगा। जिस दिन हम इस बात को समझ जाएंगे, अपने देश को सही राह पर ले आएंगे और इसकी सार्थकता साबित कर देंगे।

अगर देश की अर्थव्यवस्था की बात की जाए, तो रुपए-पैसे का मामला बहुत पेचीदा है। एक ओर दुनिया के सबसे ज्यादा धनकुबेर भारत में हैं, तो दूसरी ओर सबसे ज्यादा भूखे सोने वालों की तादाद भी इसी देश में है। देश में आर्थिक नीतियों पर बहुत से अर्थ स्वामियों का स्पष्ट प्रभाव है, राजनीति में सीधा-टेढ़ा दखल है।

हरसूद जैसा किसान कर्ज के चलते आत्महत्या कर ले, तो संवेदना पर सियासत का मजमा लग जाता है। शहीदों के सिर कट जाएं, तो संबंधों में तल्खी का मामला तूल पकड़ लेता है। दूसरे देशों के सैनिक हमारी सीमा में घुस आएं, तो कोई बात नहीं। अगर आम आदमी सेना की जवाबी कार्रवाई की बात करे, तो नेताओं में आर्थिक संबंध बिगड़ने का भय बना रहता है। कहीं भी कुछ भी हो जाए, सारी महिमा अर्थव्यवस्था के इर्द-गिर्द मंडराने लग जाती है। शायद तभी कहते हैं कि बाप बड़ा ना भइया, सबसे बड़ा रुपैया।

पर देखिए तो सही, राम-कृष्ण के इस देश में अधिकतर तिजोरियां ओवरफ्लो हैं, तो कुछ जेबें एकाध सिक्कों के लिए भी तरस जाती हैं। यही स्थिति हमारी मखमली होने की ओर अग्रसर अर्थव्यवस्था में टाट के पैबंद की मानिंद साबित हो रही है। रोको भइया इसे, करो कुछ जल्दी से कोई जुगाड़। हमें सबसे पहले इस बात को जानना-समझना चाहिए कि आखिर भारत है क्या! शाब्दिक रूप से देखें तों गण (लोग) से मिलकर तंत्र बना है। क्या असलियत में हमारा देश ऐसा ही है! नहीं, बिल्कुल नहीं। हमारा देश अब तंत्रगण हो गया है। मसलन, कुछ तंत्रों (शक्तियों) ने हमारे गण को नियंत्रित कर लिया है। ये शक्तियां जैसा करती-कराती जाती हैं, गण वैसे ही आगे पीछे होता जाता है। ये हालात आजादी के बाद से ही बने हुए हैं। पराधीन भारत में तो ऐसे हालात स्वाभाविक थे, लेकिन आजाद भारत में ऐसी स्थिति! आखिर क्यों! कौन है जिम्मेदार इन सबका!

हम में से अधिकतर लोग एक सुर में राजनीति-राजनेताओं को इसका जिम्मेदार ठहरा देंगे। पर क्या हम यह सोचने की भी जहमत उठाएंगे कि आखिर इन नेताओं को चुना किसने है! अगर इन्होंने अन्याय किया है, तो अब तक खामोश रहने वाला कौन है! हदों से पार जाकर बर्दाश्त करने वाला कौन है! आखिर कब तक हम जीवन चलाने के नाम पर समझौतों की आड़ लेते रहेंगे! हमारा ये बर्दाश्तपन थकता भी है या नहीं! आओ, अब तो एक नजीर बनें। आओ, अब तो कम से कम देश की लाज रखें। आओ, अब तो एक कदम बढ़ाएं। बदला लेने के लिए नहीं, बल्कि बदलाव के लिए। हमें यह कदम बढ़ाना ही होगा। देश के लिए भी और अपने लिए भी। हमें यह सोचना और तय करना होगा कि क्या यह वही आजादी है, जिसकी कल्पना स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सेनानियों ने की थी? अगर नहीं है, तो फिर वह आजादी कहां है? हमें मिलकर उस आजादी की तलाश करनी होगी। हमें उनके सपनों के भारत के लिए हर हाल में ऐसा करना ही होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

तिरंगा रैली

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित 'हर घर तिरंगा' बाइक रैली में भाग लेते भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और जितेंद्र सिंह।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री झू रोंगजी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/एपी। चीन के पूर्व प्रधानमंत्री झू रोंगजी का निधन हो गया है। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। वह 98 वर्ष के थे। सुधारवादी नेता झू ने 1990 के दशक में सरकारी उद्योगों में बड़े बदलाव लागू करके चीन में तेज आर्थिक विकास की नींव मजबूत करने में मदद की थी। उन्होंने चीन को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शामिल कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। झू का बीजिंग में बुधवार पूर्वाह्न लगभग 11 बजे बीमारी के कारण निधन हो गया।

झू ने 1998 से 2003 तक चीन के प्रधानमंत्री के रूप में कई बड़े बदलावों को लागू किया था। झू रोंगजी का कम्युनिस्ट पार्टी के रूढ़िवादी नेताओं और सरकारी उद्योगों के प्रमुखों से टकराव हुआ था, क्योंकि वे सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को अधिक कुशल बनाने पर जोर दे रहे थे। इसके कारण लाखों लोगों की नौकरियां चली गईं, लेकिन इससे 2010 में चीन को जापान को पीछे छोड़कर अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिली थी।

अमेरिका में मामला खारिज होना मेरे लिए जीत का अहसास नहीं, विनम्रता का अनुभव : गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि अमेरिका में उनके खिलाफ आपराधिक मामला खारिज होने से उन्हें जीत का अहसास नहीं, बल्कि विनम्रता का अनुभव हुआ है। अदाणी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने कानून के शासन में उनके विश्वास को और मजबूत किया है तथा कठिन परिस्थितियों में भी अपने मूल्यों और वादों पर कायम रहने का महत्व सिखाया है। अदाणी ने कर्मचारियों और साझेदारों के साथ संवाद कार्यक्रम अपनी बात, अपनों के साथ' के दूसरे संस्करण में 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और उसके बाद अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से दर्ज मामले पर विस्तार से बात की। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत द्वारा अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज किए जाने के बाद आयोजित हुआ।

समूह की ओर से जारी बयान के अनुसार, अदाणी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया कि स्थायी विश्वास अपने वादों को निभाने, मूल्यों पर अडिग रहने और कठिन समय में भी सही काम करने से अर्जित होता है। उन्होंने 2023 में समूह द्वारा 20,000 करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को पूर्ण अभिदान मिलने के बावजूद वापस लेने के फैसले को याद करते हुए कहा, ''विश्वास किसी भी कानूनी अधिकार से बड़ा होता है।''

उन्होंने कहा कि कानून अधिकार देता है, लेकिन यह मूल्य ही तय करते हैं कि उन अधिकारों का इस्तेमाल कब किया जाना चाहिए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2023 में शेयर मूल्य में हेराफेरी, विदेशी कर पनाहगाहों के कथित अनुचित इस्तेमाल और अत्यधिक कर्ज से जुड़े आरोप लगाए थे। इसके बाद अदाणी समूह ने अपना एफपीओ वापस ले लिया था। समूह ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके बाद नवंबर, 2024 में अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी और अन्य पर भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के ठेके हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को लगभग 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की साजिश रचने और अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। अदाणी और समूह ने इन आरोपों से भी इनकार किया था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश निकोलस गैरॉफिस ने न्याय विभाग की ओर से मामला वापस लेने का अनुरोध स्वीकार करते हुए आपराधिक आरोप खारिज कर दिए।

रतन टाटा के पुराने सहयोगियों के हटने से टाटा समूह के सत्ता संतुलन में बदलाव के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रतन टाटा के निधन के बाद टाटा समूह में शीर्ष स्तर पर प्रभाव और नियंत्रण को लेकर जारी खींचतान के बीच उनके करीबी रहे कई वरिष्ठ लोगों के समूह से अलग होने से देश के इस प्रमुख कारोबारी समूह के सत्ता संतुलन में बदलाव की स्थिति बनती नजर आ रही है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि वह अपने मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति के बाद 20 फरवरी, 2027 को चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे। उनका यह फैसला रतन टाटा के करीबी रहे विजय सिंह और मेहली मिस्त्री के टाटा समूह से धीरे-धीरे अलग होने के बाद आया है।

इस विवाद के केंद्र में टाटा ट्रस्टस हैं, जिनके पास समूह की मूल कंपनी टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है जबकि नमक से लेकर सेमीकंडक्टर तक के कारोबार से जुड़े समूह पर टाटा ट्रस्टस का निर्णायक प्रभाव है। टाटा ट्रस्टस में सबसे बड़ी हिस्सेदारी सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की 27.98 प्रतिशत है जबकि सर रतन टाटा ट्रस्ट की 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तरह इन दोनों ट्रस्ट की सम्मिलित हिस्सेदारी 51.54 प्रतिशत है जो कि निर्णायक हो जाती है। वर्ष 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद उनके सौतेले भाई नोएल एन टाटा अक्टूबर, 2024 से टाटा ट्रस्टस के चेयरमैन होने के अलावा टाटा संस के गैर-कार्यकारी निदेशक भी हैं।

टाटा संस के छह-सदस्यीय निदेशक मंडल में चंद्रशेखरन, नोएल टाटा, टाटा समूह के वरिष्ठ अधिकारी एवं टाटा ट्रस्टस के वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन, समूह के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और स्वतंत्र निदेशक हरीश मनवानी एवं अनीता मरंगोली जॉर्ज शामिल हैं। टाटा ट्रस्टस के भीतर 2025 के दौरान मतभेद बढ़े। इसका एक गुट नोएल टाटा के साथ रहा, जबकि मिस्त्री की अगुवाई वाले दूसरे गुट में प्रमीत झावेरी, जहांगीर एचसी जहांगीर और डेरियस खंबाटा शामिल थे।

मिस्त्री के विस्तारित शापूरजी पालोनजी परिवार से संबंध भी विवाद का एक पहलू रहे हैं। इस परिवार के पास टाटा संस की करीब 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विवाद का प्रमुख मुद्दा टाटा संस के निदेशक मंडल की संरचना और निदेशक पदों का बंटवारा रहा। टाटा संस के भविष्य में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का सवाल भी मतभेद का एक प्रमुख कारण रहा। नोएल टाटा सूचीबद्धता के खिलाफ रहे हैं, जबकि श्रीनिवासन एवं सिंह सार्वजनिक रूप से इसका समर्थन कर चुके हैं।

श्रेया घोषाल ने 'जन गण मन' को दी अपनी आवाज

मुंबई/एजेन्सी

जानी-मानी गायिका श्रेया घोषाल ने राष्ट्रगान 'जन गण मन' का अपना खास वर्जन पेश किया है। इसको लेकर श्रेया ने अपने मन की बात साझा की और बताया कि राष्ट्रगान गाना उनके लिए हमेशा बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए श्रेया घोषाल ने कहा, ''एक कलाकार के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि उसे ऐसे गीत को अपनी आवाज देने का मौका मिले, जो पूरे देश को एक भावना और एक पहचान के साथ जोड़ता है? मुझे खुशी है कि मेरी यह प्रस्तुति अब सभी लोगों के लिए जारी की जा रही है। मैं चाहती हूं कि लोग इस संस्करण को अपने-अपने तरीके से महसूस करें और राष्ट्रगान से अपने भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत कर सकें।'' श्रेया घोषाल ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस खास प्रोजेक्ट को साझा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ''मेरे लिए बेहद गर्व और सम्मान का क्षण है। पेश है 'जन गण मन' का मेरा वर्जन।''

श्रेया घोषाल लंबे समय से भारतीय संगीत की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ बंगाली, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और मराठी समेत 20 से ज्यादा भाषाओं में 3,000 से ज्यादा गीतों को अपनी आवाज दी है। उन्होंने साल 2002 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' से प्लेबैक सिंगर के रूप में शुरुआत की थी। उन्होंने 'बैरी पिया', 'सिलसिला ये चाहत का', 'डोला रे डोला', 'मोरे पिया' और 'काहे छेड़ मोहे' जैसे लोकप्रिय गीतों को गाया था। इस फिल्म के गानों ने उन्हें रातोंरात पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अपने लंबे करियर में श्रेया ने 'तेरी ओर', 'पियू बोले', 'जादू है नशा है', 'बरसो रे', 'सामझवां', 'दीवानी मस्तानी', 'तुम क्या मिले', 'वे कमलेया' और 'सुन रहा' समेत कई यादगार गाने दिए और अपने शानदार गायन के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किए। इनमें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी शामिल हैं।

बाली के पास नौका से कई लोगों को बचाया गया, एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया के पर्यटन द्वीप बाली के पास बुधवार को खराब समुद्री परिस्थितियों के बीच आग की लपटों से घिरी एक यात्री नौका से 172 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि एक यात्री का शव बरामद किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'माताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस' के अनुसार, नौका 'पुत्री यास्मीन' बाली के पैडंग बाई बंदरगाह से पश्चिम नुसा तेंगारा प्रांत के लोम्बोक द्वीप स्थित लेम्बर बंदरगाह जा रही थी, तभी सुबह करीब चार बज कर 15 मिनट पर उसमें आग लग गई। एजेंसी को करीब आधे घंटे बाद घटना की सूचना मिली, जिसके बाद उसने तुरंत बचावकर्मियों और बचाव नौकाओं को मौके पर भेजा। कार्यालय के प्रमुख मोहम्मद हरियादी ने कहा, सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, नौका में आग उस समय लगी जब वह लोम्बोक जलडमरूमध्य में थी। यात्री सूची के मुताबिक, नौका पर चालक दल के 17 सदस्यों समेत 131 लोग सवार थे। हालांकि, घटना के कुछ घंटे बाद अधिकारियों ने बताया कि नौका पर यात्री सूची में दर्ज संख्या से अधिक लोग सवार थे। इंडोनेशिया में नौकाओं और यात्री जहाजों पर सवार लोगों की वास्तविक संख्या का यात्री सूची में दर्ज संख्या से अलग होना आम बात है। नौका पर 44 वाहन और 53 मोटरसाइकिल भी लदी थीं। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी 'बासारनास' ने बताया कि बचावकर्मियों ने इस नौका से दो ऑस्ट्रेलियाई पर्यटकों समेत 172 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। वहीं, 19 वर्षीय एक इंडोनेशियाई लड़की का शव बरामद किया गया है।

निमरत कौर ने अरब सागर के तट पर स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किए

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निमरत कौर ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस को श्रावण शिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे भारत के दीव शहर से 3 किलोमीटर दूर फुदम गांव में अरब सागर के तट पर स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर में भगवान का आशीर्वाद ले रही हैं। अभिनेत्री पारंपरिक वेशभूषा में मंदिर में नजर आ रही हैं। तस्वीर पोस्ट कर अभिनेत्री ने लिखा, महादेव का दिव्य आशीर्वाद हमारी सभी परेशानियों को दूर करे और हमें अंदर से मजबूत करें। सभी को श्रावण शिवरात्रि की शुभकामनाएं। नमः पार्वतीपतये हर हर महादेव।।गंगेश्वर महादेव मंदिर भारत के दीव शहर से 3 किलोमीटर दूर फुदम गांव में अरब सागर के तट पर स्थित एक प्राचीन और प्रसिद्ध शिव मंदिर है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां समुद्र की लहरें स्वयं प्राकृतिक रूप से चट्टानों के बीच स्थित पांच शिवलिंगों का जलाभिषेक करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर के पांचों शिवलिंगों को महाभारत काल के दौरान पांडवों ने अपने अज्ञातवास के समय स्थापित किया था। यहां चट्टानों पर बने पांचों शिवलिंग अलग-अलग आकार के हैं। माना जाता है कि इन्हें पांडवों ने अपने कद के अनुसार बनाया था, जिसमें सबसे बड़ा शिवलिंग भीम का माना जाता है।

अभिनेत्री की बात करें, तो 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने के बाद अभिनेत्री जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लिखित फिल्म में वह बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। इस फिल्म में उनके किरदार का नाम 'जोया' है और इसमें डायना पेंटी और अभिषेक बनर्जी भी महत्वपूर्ण किरदारों में होंगे। फिल्म को जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और नवंबर 2026 में इसकी रिलीज की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी तक किसी पक्की और अंतिम तारीख का ऐलान किया जाना बाकी है।

पंजाबी फिल्म सैंताली की शूटिंग पूरी

श्रीगंगानगर/एजेन्सी

वर्ष 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की मार्मिक पृष्ठभूमि पर आधारित बहुप्रतीक्षित पंजाबी फीचर फिल्म सैंताली की शूटिंग राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की विभिन्न लोकेशनों पर पूरी हो गई है। ऐतिहासिक घटनाओं और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखकर बनाई जा रही यह फिल्म दर्शकों को बंटवारे के दर्द, संघर्ष, रिश्तों और सामाजिक मूल्यों से रूबरू कराएगी। फिल्म का पहला लुक भी जारी कर दिया गया है।

फिल्म का निर्देशन की जिम्मेदारी चर्चित फिल्म निर्देशक विजय सुथार संभाल रहे हैं। विजय सुथार इससे पहले कई सफल राजस्थानी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म के निर्माता रवि चमडिया और आशीष चमडिया हैं।

निर्देशक विजय सुथार ने बताया कि फिल्म में पंजाबी सिनेमा के प्रसिद्ध कलाकार सीमा कौशल, योगेश छाबड़ा, फतेह सिंह, मनप्रीत मणी, करण मान, कुलविंदर सिंह कंग, विजय जोरा, शगुन मेहरा, अभिषेक महेन्द्रू, बलराज सिद्धू, हरजिंदर सिंह, अशोक चलाना, गौरव बलाना, हिमांशी वर्मा, त्रिपा सहित कई अनुभवी कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही श्रीगंगानगर और आसपास के क्षेत्र की स्थानीय प्रतिभाओं को भी अभिनय का अवसर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि 'सैंताली केवल बंटवारे की कहानी नहीं, बल्कि एक संवेदनशील सामाजिक फिल्म है, जिसमें एक ग्रामीण परिवार के जीवन, रिश्तों, संघर्षों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का संगीत और गीत भी इसकी विशेष पहचान होंगे।

फिल्म की शूटिंग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित कई प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक लोकेशनों पर की गई है, जिससे श्रीगंगानगर की सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक सौंदर्य भी बड़े पर्दे पर दिखाई देगा। निर्माताओं की योजना फिल्म को 20 नवंबर 2026 में देश-विदेश के सिनेमाघरों में रिलीज करने की है। शूटिंग पूरी होने के बाद फिल्म को लेकर क्षेत्र के कलाकारों, पंजाबी सिनेमा प्रेमियों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष खत्म कराने के प्रयासों के तहत पाकिस्तान के मंत्री ने ईरानी नेताओं से की वार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई शांति वार्ता को फिर से शुरू कराने के प्रयासों के तहत ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से तेहरान में बातचीत की। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ एक अंतरिम समझौता पिछले महीने उस समय खत्म हो गया था, जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद अमेरिका और ईरान ने फिर से सैन्य हमले शुरू कर दिए थे। इस्लामाबाद संघर्ष समाप्त कराने के लिए अपनी मध्यस्थता की कोशिशों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है।ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' के हवाले से राजनयिक सूत्रों ने बताया कि नकवी मंगलवार तड़के तेहरान पहुंचे। यहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत की। नकवी का हवाई अड्डे पर उनके ईरानी समकक्ष एस्कंदर मोमेनी ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने अराघची के साथ वार्ता की। 'इरना' ने नकवी और अराघची की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा कीं। राजनयिक सूत्र के अनुसार, नकवी और अराघची इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तृत चर्चा भी करेंगे। ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन के साथ बैठक में नकवी ने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत, लंबे समय से चले आ रहे और ''अटूट'' बताया। उन्होंने तेहरान के साथ संबंधों को व्यापक रूप से विकसित करने के लिए इस्लामाबाद की गंभीर ''प्रतिबद्धता और इच्छाशक्ति'' भी व्यक्त की। सूत्र ने बताया कि पेजेश्कियन ने भी कहा कि ईरान-पाकिस्तान संबंध दोनों देशों के राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करेंगे और क्षेत्रीय स्थिरता एवं सुरक्षा में योगदान देंगे।

लोमड़ी के बजाय कुत्ता कहलाना पसंद करूंगी : कंगना

मुंबई/एजेन्सी

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह पर तीखा हमला बोला है। छात्र आंदोलनों को लेकर बॉलीवुड की भूमिका पर चल रही बहस के बीच कंगना ने अभिनेता की पुरानी टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। कंगना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नसीरुद्दीन शाह को 'लोमड़ी' कहा और देश के प्रति उनकी वफादारी पर सवाल उठाए। दरअसल, कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खबर साझा की, जिसमें अभिनेता पीयूष मिश्रा के नसीरुद्दीन शाह को लेकर दिए गए हालिया बयान का जिक्र था। इसमें नसीरुद्दीन शाह उस पुरानी टिप्पणी का भी उल्लेख था, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों की चुप्पी पर 'मुंह में हड्डी दबाए कुत्ते' वाली कहावत कही थी। इसी खबर को शेयर करते हुए कंगना ने अपनी बात रखी और नसीरुद्दीन शाह पर सीधे हमला किया। कंगना ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''सच तो यह है कि हर कोई किसी न किसी का कुत्ता है, लेकिन मुझे इस बात का गर्व है कि मैं जिस घर (देश) की रोटी खाती हूं, उसकी रखवाली करती हूं और उसके लिए लड़ती हूं। नसीर साहब खाते तो इस देश का हैं, लेकिन लड़ते पड़ोसी देश के लिए हैं।''कंगना ने अपने पोस्ट में कहा, ''आज के समय में किसी इंसान को कुत्ता कहना भी एक तरह की तारीफ है, क्योंकि वफादारी और मासूमियत बहुत कम देखने को मिलती है। मैं नसीरुद्दीन शाह जैसे 'लोमड़ी' बनने के बजाय कुत्ता कहलाना पसंद करूंगी।''दरअसल, कंगना का यह हमला नसीरुद्दीन शाह की उस टिप्पणी से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने छात्र प्रदर्शनों को लेकर बॉलीवुड के बड़े कलाकारों की चुप्पी पर सवाल उठाया था। नसीरुद्दीन शाह से पूछा गया था कि देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और छात्र आंदोलनों के बीच बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां खुलकर अपनी बात क्यों नहीं रखतीं।

स्कूलों में लड़कियों को फाइनेंस हैंडल करना भी सिखाया जाए : कृति खरबंदा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नईदिल्ली में आयोजित वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026 में फाइनेंशियल शिक्षा को स्कूली स्तर पर शुरू करने की बात की है। उन्होंने अपनी जिंदगी का अनुभव साझा करते हुए ये भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र में ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी।कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है।कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आज़ादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है। विशेष रूप से स्कूलों में फाइनेंशियल शिक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कृति ने यह भी कहा, जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाने हैं, बचाने हैं, इन्वेस्ट करना है और फाइनेंस कैसे काम करता है।

मुझे लगता है कि यह शिक्षा स्कूल से ही मिलनी चाहिए। इसके अलावा मैं समझती हूँ कि फाइनेंशियल प्लान्स को भी समय के साथ बदलते रहना चाहिए। लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बात करते हैं और मैं भी इनके पक्ष में हूं, लेकिन आपको लगातार खुद को और अपनी रणनीति को विकसित करते रहना होगा। अगर करियर के फैसले हमेशा के लिए नहीं होते, तो हमारे फाइनेंशियल प्लान्स अलग क्यों होने चाहिए? है ना।

विहार सेवा साधारण यात्रा नहीं, संयम यात्रा है : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान एवं आचार्य श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी महाराजा के सान्निध्य में बुधवार प्रातः आयोजित धर्मसभा में विभिन्न विहार सेवा समूहों एवं विहार सेवकों का भावपूर्ण सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ धीरज साकरिया द्वारा प्रस्तुत 'मारे विहार सेवा करवी छे...' गीत से हुआ। कार्यक्रम के लाभार्थी शांताबेन वंशराज पालरेचा, भिवंडी परिवार रहे। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में आचार्यश्री ने कहा कि विहार सेवा केवल साधु-साध्वियों के आवागमन में सहयोग नहीं, बल्कि आत्मकल्याण का अनुपम अवसर है। भगवान महावीर के पूर्व भव नयसार का प्रसंग बताते हुए उन्होंने कहा कि जंगल में उन्हें साधु भगवंत मिले।

नयसार ने उन्हें सुपात्रदान किया तथा मार्ग दिखाने के लिए स्वयं उनके साथ विहार किया। यही प्रथम विहार सेवा थी। साधुओं के साथ विहार करते हुए उनके सम्यक्त्व का प्रकाश उनकी आत्मा में प्रकट हुआ। उन्होंने कहा कि इससे विहार सेवा की महानता और आध्यात्मिक महत्ता स्पष्ट होती है।

आचार्यश्री ने कहा कि जिनालय निर्माण, धार्मिक आयोजनों एवं उपधान तप आदि में मिलने वाले पुण्य के समान वैयावच्च भाव से की गई विहार सेवा भी महान पुण्यबंध का कारण बनती है। वैयावच्च की शक्ति इतनी प्रभावशाली है कि इससे तीर्थंकर नामगोत्र का बंध भी संभव है।

उन्होंने विहार सेवकों को तीन बातें छोड़ने का आह्वान किया, प्रमाद एवं आलस्य, बहानेबाजी और सेवा से पीछे हटना। उन्होंने कहा कि छोटी-मोटी बाधाओं को सेवा से दूर रहने का कारण न बनाएं। दक्षिण भारत में साधु-साध्वियों का अधिक विचरण तभी संभव है, जब विहार सेवकों की संख्या और सेवा-भावना बढ़े।

इस अवसर पर 'वैयावच्च रत्न' सुरेशभाई गोलेच्छा, राजूभाई, वेपेरी शर्मिला महिला ग्रुप, ओम् अर्हं यूथ टी. नगर, रत्नत्रयी, मईलापुर, श्री राजेंद्र, बिन्नी, गिरिराज, वीर, कुरुक्कुपेट, नवकार ग्रुप चेन्नई, केएलपी एवं आवडी विहार सेवा ग्रुप सहित विभिन्न समूहों के सदस्यों का सम्मान किया गया।

आचार्यश्री ने गुरुवार को होने वाले शांतिधारा पाठ एवं महामांगलिक में अधिकाधिक श्रद्धालुओं से सहभागी बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज राठौड़ ने किया।

श्रद्धा भक्ति से मनाई आचार्य शोभाचंद्र की शताब्दी पुण्य तिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां बुधवार को साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में रत्नवंश के छठे पट्टधर आचार्यश्री शोभाचन्द्र म.सा की शताब्दी पुण्यतिथि श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाई गई। स्वाध्यायी लीलमचंद बागमार ने तीर्थंकरों की स्तुति करते हुए गुणगान किए। उच्छबराज गांग ने महापुरुषों की स्तुति रुप में प्रतिदिन जप लेना त्यागी गुरुओं को भविजन भाव से का गान किया। स्वाध्यायी आर नरेन्द्र कांकरिया ने जोधपुर में भगवानदास चामड़ मेहता व पार्वतीदेवी के यहां सौभाग्य पंचमी को जन्म लेने वाले विनयमूर्ति सेवामूर्ति आचार्य श्री शोभाचन्द्र म.सा के जीवन चरित्र पर पर प्रकाश डालते हुए उनके जन्म, दृढ़ वैराग्य, दीक्षा, विनम्रता, गुरु सनिद्धि, सेवामूर्ति, विनयमूर्ति, संयमकाल, चातुर्मासों, शिष्य परम्परा व जीवन निर्माण के शिल्पकार आदि अनेक विशिष्टताओं के अनेक उद्दरणों व संस्मरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि आप तेरह वर्ष की वय में जयपुर में आचार्य कजोडीमल के मुखारविन्द से दीक्षित होने वाले सन्त रत्न थे। आपने संयम काल में 45 वर्षों तक आचार्य कजोडीमल व आचार्य विनयचंद्र के सानिध्य में सेवा में रहते हुए ज्ञानार्जन किया व रत्नवंश के छठे आचार्य के रुप में 11 वर्षों तक आपकी जिनशासन की अविस्मरणीय सेवाएं रही । माधवमुनि, मयाराम महाराज, गजराज म.सा, अमरचन्द म.सा व सभी परम्पराओं के सन्त रत्नों के संग आपका मधुर संबंध रहा व उनके साथ चातुर्मास में मिलन, ज्ञान चर्चा करते थे। 69 वर्ष की वय में जोधपुर में श्रावण कृष्ण अमावस्या को आपका संलेखना संथारा पूर्वक देवलोकगमन हुआ।

स्वाध्यायी इंदरचंद कर्णावट ने आचार्य शोभाचन्द्र म.सा के चरित्रमय जीवन पर प्रकाश करते हुए गुणगान किए। धर्म सभा में श्रद्धालुओं की सामायिक परिवेश में उपस्थिति रहीं। सामूहिक नियम, व्रत-प्रत्याख्यान, संकल्प के पश्चात लीलमचंद बागमार ने मंगलपाठ किया। श्रमण भगवान महावीर स्वामी, तीर्थंकर भगवन्तों, आचार्य-उपाध्याय भगवन्तों महापुरुषों की जयजयकार के संग शताब्दी पुण्यतिथि दिवस गुणानुवाद के साथ सुसम्पन्न हुआ।

रजत द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा आशासींग मोहता चैरीटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 9 अगस्त को अग्रवाल विद्यालय में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रार्थना के पश्चात् मुख्य अतिथि तथा रजत के पदाधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष अजीत चोरड़िया ने दिया। टेलेन्ट रिकॉग्निशन कमेटी के चेयरमेन दीपचंद जैन ने इस कार्यक्रम के बारे में पूरी जानकारी दी।

मुख्य अतिथि ऐतिराज महाविद्यालय के चेयरमैन मुरलीधरन ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया और उन्हें प्रेरित किया। विशेष अतिथि का माला, साल और स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। मोहता ट्रस्ट के महेन्द्र मोहता का सम्मान साल व स्मृति चिन्ह द्वारा अध्यक्ष व चेयरमैन ने किया। तत्पश्चात प्रतिभावान विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथि द्वारा चांदी के सिक्के, मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। टैलेंट रिकॉगनेशन के को-चेयरमैन विवेक बॉम्ब ने कार्यक्रम का संचालन किया। महासचिव दिनेश कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने मनाया पुस्तकालय दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ज्ञान का भंडार पुस्तकों में ही समाहित है, इसीलिए 12 अगस्त को अग्रवाल विद्यालय में विद्यालय में पुस्तकालय दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पुस्तकालय के प्रति रुचि एवं पुस्तकालय से होने वाले लाभों का ज्ञान कराना था। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम की शुरुआत ईश वंदना से हुई। छात्रा भाविका ने अपने स्वागत भाषण से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। लाइब्रेरी अध्यापिका शशिप्रिया ने प्रेरक पुस्तक 'यू कैन' पुस्तक भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। छात्रों ने नाटक, नृत्य, वाद विवाद, प्रश्न मंच एवं स्क्रिट के माध्यम से पुस्तकालय के महत्व के बारे में बताया। विद्यालय के छात्रों ने हिंदी, अंग्रेजी तथा तमिल में पुस्तकालय विज्ञान के जनक एस आर रंगनाथन और पुस्तकालय के महत्व के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी दोस्त हैं और पुस्तकों से ही हम विभिन्न प्रकार की जानकारी बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही छात्रों को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मंच का संचालन छात्रा अक्षरा एवं छात्र केशर ने किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के उप प्रधानाचार्य रघुदेव, शिक्षकगण तथा छात्रों ने अपनी उपस्थिति लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अंत में छात्रा भाव्या के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संसार में रहो, लेकिन संसार को अपने भीतर मत रहने दो : साध्वी प्रियरंजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मनुष्य जिस संसार को अपना मानकर जीवनभर परिवार, स्वजन, धन-संपत्ति और सांसारिक वैभव के पीछे भागता रहता है, मृत्यु के एक क्षण में वही संसार यहीं छूट जाता है। इसलिए जीवन की वास्तविक सार्थकता संसार का संग्रह करने में नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए उससे अलिप्त भाव विकसित करने में है। यह प्रेरक संदेश रिथर्डन रोड स्थित कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री प्रियरंजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में दिया। साध्वीश्री ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम संसार की वस्तुओं और संबंधों को अपना स्थायी सहारा मान लेते हैं। परिवार, धन, प्रतिष्ठा और स्वजन जीवन के अंतिम क्षण तक साथ रह सकते हैं, लेकिन मृत्यु के बाद कोई भी सांसारिक संबंध आत्मा के साथ नहीं जाता। सच्ची आंख तब खुलती है, जब व्यक्ति बाहर की दुनिया के बजाय स्वयं को पहचानना शुरू करता है। संसार में सब कुछ प्राप्त होने के बावजूद यदि व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं पहचान पाया तो जीवन में सबसे बड़ी कमी बनी रहती है।

वहीं साध्वी श्री शुभांजनाश्रीजी ने विज्ञान और धर्म के संतुलन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विज्ञान ने पहाड़ों को तोड़ने, दूरी कम करने तथा मोबाइल, रोबोट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों के माध्यम से मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं। लेकिन विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या विज्ञान की प्रगति के साथ मनुष्य ने अपने भीतर भी उतनी ही प्रगति की है? उन्होंने कहा कि विज्ञान बाहरी संसार को बदलने की शक्ति देता है, जबकि धर्म मनुष्य के भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या जैसे विकारों पर विजय पाने की शक्ति देता है। बाहरी विकास के साथ आंतरिक विकास भी आवश्यक है। विज्ञान जीवन को सुविधापूर्ण बनाए और धर्म उसे सार्थक, संयमित, संवेदनशील एवं आत्ममय बनाए, इसी संतुलन में मानव जीवन की वास्तविक सफलता निहित है।

राजस्थान सरकार की सभी योजनाओं, स्कीमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां राजस्थान फाउंडेशन के कोयम्बटूर चैप्टर की बैठक राजस्थानी संघ के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थानी संघ में रखी गई। राजस्थान फाउंडेशन के चेयरमैन संतोष पटवारी द्वारा राजस्थान सरकार की सभी योजनाओं, स्कीमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। बैठक में अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि सितंबर में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का चेन्नई दौरा रहेगा।

इस दौरान कोयम्बटूर से काफी संख्या में लोग भाग लेंगे। राजस्थान गवर्नमेंट द्वारा क्रिकेट मैच का भी आयोजन होने जा रहा है उसके लिए कोयंबटूर चैप्टर से एक टीम भेजी जाएगी उसकी तैयारी की जिम्मेदारी कैलाश जैन एवं रोबिन बाबेल को दी गयी है। संतोष पटवारी ने सभी से आग्रह किया कि सब को राजस्थान पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने का विशेष आग्रह किया।

बंधन पहचानकर उसे कम करने की साधना ही मनुष्य जन्म की सच्ची सार्थकता : मुनि तीर्थचैतन्य विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मनुष्य जीवन केवल संसार के सुख-साधनों को जुटाने और परिग्रह बढ़ाने के लिए नहीं मिला है, बल्कि आत्मा को कर्मों के बंधन से मुक्त करने के लिए मिला है। जब तक जीव अपने बंधनों को पहचानकर उन्हें कम करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ता, तब तक वास्तविक मुक्ति की यात्रा प्रारंभ नहीं होती। यह प्रेरणादायी विचार किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी ने अपने बुधवार के प्रवचन में व्यक्त किए।

मुनिश्री ने कहा कि मुक्ति का अर्थ है, बंधन से पूर्णतः मुक्त हो जाना। जिस प्रकार वर्षों की सजा पूरी होने के बाद कैदी जेल से मुक्त होता है, उसी प्रकार अनादिकाल से कर्मों के बंधन में बंधी आत्मा जब कर्मबंधन से मुक्त होती है, तभी वह

अपने शुद्ध स्वरूप को प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने हमें बताया है कि कर्मबंधन को तोड़ने की वास्तविक साधना मनुष्य जन्म में ही संभव है।

मुनिश्री ने परिग्रह की आसक्ति को आत्मिक उन्नति में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बताते हुए कहा कि आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं का उपयोग करना अलग बात है, लेकिन आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के संग्रह और उनके प्रति ममत्व में फंस जाना आत्मा को और अधिक बांधता है। संसार में रहते हुए आवश्यकताओं की पूर्ति करना धर्म के विरुद्ध नहीं है, लेकिन परिग्रह के पीछे अंधी दौड़ और उसके प्रति आसक्ति ही वास्तविक समस्या है। उन्होंने समझाया कि परिग्रह दो प्रकार से जीवन में आता है। एक वह, जो जीवन की वास्तविक आवश्यकताओं के कारण करना पड़ता है और दूसरा वह, जिसके पीछे व्यक्ति स्वयं स्वार्थवश भागता रहता है। आवश्यकता के कारण होने वाले कर्मों की अपेक्षा स्वार्थ और आसक्ति से किए जाने वाले कर्म अधिक गंभीर बंधन का कारण बनते हैं। इसलिए व्यक्ति को यह देखना चाहिए कि वस्तुएं उसके जीवन की आवश्यकता हैं या वह स्वयं वस्तुओं का गुलाम बन गया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य आज वस्तुओं को खरीदने, संभालने और उनके विकल्प खोजने में अपना कितना समय लगा देता है, यह विचार करने की आवश्यकता है। जरूरत पूरी करना गलत नहीं है, लेकिन जरूरत को लालसा में बदल देना आत्मा के लिए घातक है।

धर्म जीवन की फुर्सत की गतिविधि नहीं, प्राथमिकता है : कपिलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै में मणिक्कम स्ट्रीट स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म. सा. ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा कि मनुष्य का जीवन जिम्मेदारियों का जीवन है। जन्म लेते ही उसके साथ अनेक दायित्व जुड़ जाते हैं सभी जिम्मेदारियों के बीच एक जिम्मेदारी ऐसी है, जो सबसे बड़ी है- अपनी आत्मा के कल्याण की जिम्मेदारी। क्योंकि संसार की अधिकांश जिम्मेदारियाँ कोई न कोई हमारे स्थान पर निभा सकता है, लेकिन आत्मकल्याण का कार्य हमारे स्थान पर कोई दूसरा नहीं कर सकता। आपका व्यापार दूसरा संभाल सकता है, आपकी संपत्ति की देखभाल दूसरा कर सकता है, आपकी सामाजिक जिम्मेदारियाँ कोई दूसरा निभा सकता है आपके परिवार की सेवा भी कोई दूसरा कर सकता है लेकिन आपकी आत्मा के कर्मों का क्षय, आपकी साधना, आपका संयम, आपका प्रायश्चित, आपकी सामायिक और आपका आत्मचिंतन यह सब आपको स्वयं ही करना पड़ेगा। जिसे कोई दूसरा न कर सके वही अपना काम है। मुनि श्री ने कहा कि अक्सर मनुष्य कहता है समय मिला तो धर्म करूँगा। लेकिन जीवन में समय कभी मिलता नहीं, निकालना पड़ता है। व्यापार और परिवार के लिए समय निकालते हैं। मनोरंजन के लिए समय निकालते हैं। मित्रों और सामाजिक गतिविधियों के लिए समय निकालते हैं। फिर धर्म के लिए समय क्यों नहीं? जिस कार्य को हम सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं, उसके लिए समय स्वतः निकल आता है। इसलिए धर्म जीवन की फुर्सत की गतिविधि नहीं होना चाहिए बल्कि जीवन की प्राथमिकता होना चाहिए मनुष्य अक्सर पराये कामों में इतना व्यस्त हो जाता है कि अपना सबसे जरूरी काम ही भूल जाता है।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां आवड़ी स्थित श्री सन्मति गौशाला में हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर आइसक्रीम ग्रुप के सदस्यों द्वारा हरा चारा लोड दिया गया।

जो मनुष्य ज्ञानी होगा, वह अवश्य धार्मिक होगा : ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि कोई मनुष्य ज्ञानी होगा तो अवश्य धार्मिक होगा। चाहे कितना भी पढ़ा लिखा हो लेकिन संस्कार नहीं हैं तो सारा ज्ञान व्यर्थ है। जागने वाला व्यक्ति पाता है, सोने वाला व्यक्ति खोता है। जिनके पास धन संपदा है उन्हें दान पुण्य का कार्य करना चाहिए। समय रहते धन का सदुपयोग करें। कन्या दान का महत्व सबसे बड़ा है, समय रहते अपनी बेटियों की शादी कर देनी चाहिए। देरी करने से नतीजे ख़राब होते हैं। ग़ैर धर्म में विवाह हो जाता है, इसलिए समय के महत्व को समझें। कुछ ग़लत निर्णय लेने से अनहोनी होती है। लोकेश मुनि जी ने कहा कि इंसान कभी भी सुखी नहीं रहता है, वह किसी न किसी प्रकार से दुखी होता ही है। अगर इंसान सकारात्मक सोच रखता है तो उसका जीवन सफल हो जाता है और सुखी होता है।

आचार्य आनंद ऋषि एवं केवलमुनि साधना के शिखर पुरूष थे : जयतिलक मुनि

चेन्नई। यहां एसएस जैन संघ साहुकारपेट के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने अपने प्रवचन में श्रमण संघ के श्रमण संघीय द्वितीय आचार्य सम्राट पूज्य आनंद ऋषिजी म.सा. की 126वीं जन्म जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

गुरुदेव जयतिलक मुनिजी म.सा. ने कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी म.सा. केवल एक महान तपस्वी ही नहीं, बल्कि ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक चेतना के अद्वितीय प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन में कठोर तप, त्याग एवं आत्म-साधना के माध्यम से समाज को धर्म और अध्यात्म का मार्ग दिखाया।

बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। 13 वर्ष की अल्पायु में ही उन्होंने वैराग्य का मार्ग अपनाकर आत्मकल्याण और लोककल्याण की दिशा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण धर्म, ध्यान और साधना को समर्पित रहा। उन्होंने अनेक शिष्यों को दीक्षित कर धर्मसंघ को सशक्त बनाया तथा समाज में सदाचार, संयम और नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास किए। उनके उपदेशों से असंख्य लोगों का जीवन आलौकित हुआ तथा उन्होंने जन-जन तक जैन धर्म के सिद्धांतों को पहुँचाने का महान कार्य किया। प्रवचन के दौरान गुरुदेव ने बताया कि आचार्य आनंद ऋषिजी म.सा.

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.